दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 147 ■ दमण, गुरुवार 26, फरवरी 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

तेल अवीव पहुँचने पर पीएम मोदी का इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने किया भव्य स्वागत

तेल अवीव (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज अपनी राजकीय यात्रा पर इजराइल पहुंचे। तेल अवीव हवाई अड्डे पर विशेष सम्मान के रूप में, इजराइल के प्रधानमंत्री महामहिम बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने खुद वहां पहुंचकर प्रधानमंत्री की अगवानी की और उनका औपचारिक स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के बाद, दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच एक संक्षिप्त व्यक्तिगत बैठक हुई। इसके बाद जब प्रधानमंत्री होटल पहुँचे, तो वहाँ मौजूद भारतीय प्रवासियों और यहूदी-भारतीय समुदाय के लोगों ने बड़े उत्साह के साथ प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया। इस मौके पर भारत और इजराइल के कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी, जो दोनों देशों के गहरे रिश्तों का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइली संसद को संबोधित करते हुए इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की

तेल अवीव (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइली संसद को संबोधित करते हुए इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की। मोदी ने कहा कि हम आपके दर्द को समझते हैं, भारत लंबे वक्त से आतंकवाद से पीड़ित है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत इस समय और भविष्य में भी पूरे विश्वास के साथ इजराइल के साथ खड़ा है। मोदी ने कहा कि किसी भी वजह से आम नागरिकों की हत्या को सही नहीं ठहराया जा सकता और आतंकवाद को किसी भी हाल में जायज नहीं ठहराया जा सकता। मोदी नेसेट को संबोधित करने पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। संसद पहुंचने पर सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे लगाए। मोदी से पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी मेरे भाई जैसे हैं, मेरे दिल में उनके लिए खास जगह है। उन्होंने मोदी को दुनिया का सम्मानित नेता बताया। इससे पहले नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान की धुन के साथ पीएम का स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर ही मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की। इसके बाद वे होटल पहुंचे जहां, प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने परफोर्मेंस भी दी। मोदी का यह 9 साल बाद दूसरा इजराइल दौरा है। इससे पहले मोदी जुलाई 2017 में तेल अवीव गए थे।

दादरा नगर हवेली में दो दिवसीय रोजगार मेला संपन्न: दूसरे दिन 369 युवाओं का हुआ चयन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 25 फरवरी। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में श्रम एवं रोजगार विभाग द्वारा दो दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया था। रोजगार मेला के द्वितीय चरण में आज सामरवरणी पंचायत हॉल में आयोजित रोजगार मेला में 369 युवाओं का रोजगार के लिए चयन किया गया। रोजगार मेला का प्रथम चरण 24 फरवरी 2026 को खानवेल में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 453 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। द्वितीय चरण 25 फरवरी 2026 को सामरवरणी पंचायत हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 369 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। दोनों दिनों में कुल मिलाकर 822 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिनमें 526 पुरुष और 296 महिलओं का चयन किया गया। यह तथ्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थियों का चयन महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायक कदम है। इससे क्षेत्र की महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं कार्यबल में उनकी सक्रिय भागीदारी को बल मिलेगा। प्रशासक के दूरदर्शी नेतृत्व एवं युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप यह दो दिवसीय रोजगार मेला सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। दो दिवसीय रोजगार मेला शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन के माध्यम से स्थानीय युवाओं को विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए तथा नियोजकों एवं अभ्यर्थियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित हुआ।

सोमनाथ ग्राम पंचायत में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 फरवरी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण तथा प्रयास के संयुक्त सहयोग से सोमनाथ ग्राम पंचायत में आज कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यक्रम में वकील मयंक पटेल ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए केन्द्र सरकार और संघ प्रदेश प्रशासन द्वारा लागू योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने एसटी/एससी समुदाय के अधिकारों के बारे में बताया। संविधान में एसटी/एससी समुदाय को दिये गये अधिकारों के बारे में भी उन्होंने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का कैसे लाभ लिया जा सकता है। नालसा द्वारा निःशुल्क दी जाने वाली कानूनी सहायकता के बारे में भी बताया। आयुष्मान भारत योजना, पीएम जीवन सुरक्षा योजना, स्कील इंडिया मिशन, टेक्नोलॉजी एवं पीएम वन धन योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। वकील मानसी परमार ने नशा मुक्त भारत योजना 2025 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हम सभी को मिलकर समाज से नशा को मिटाना है। वकील नृति राठोड ने नालसा- यौन उत्पीडन, अन्य अपराधों की महिला पीडित/उत्तरजीवियों के लिए नालसा मुआवजा योजना 2018 और सूचना का अधिकार अधिनियम की जानकारी दी। सामाजिक कार्यकर्ता अमोल मेश्राम ने बाल विवाह 2025 अधिनियम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों से कम उम्र में बच्चियों की शादी नहीं करने की बात कही। साथ ही बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से उपस्थित सोमनाथ ग्राम पंचायत सरपंच वर्षिका पटेल ने पंचायत में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और वकील मंडल, दमण प्रशासन तथा प्रयास की सराहना की। साथ ही पंचायत क्षेत्र के नागरिकों को कानूनी जानकारी देने के लिए सभी का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि महिला अधिकारों, बाल विवाह रोकने सहित अन्य जानकारी मिली है। यहां उपस्थित सभी ग्राम पंचायत सदस्य और नागरिक मिली जानकारी को अन्य लोगों के साथ भी साझा करके उन्हें जागरूक करें। कार्यक्रम का संचालन वकील कृपाली ने किया। इस कार्यक्रम में सोमनाथ ग्राम पंचायत के सदस्यों के साथ पंचायत क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं एनपीएस व्यापारी योजना अंतर्गत डाभेल ग्रमा पंचायत में 27 फरवरी को पंजीकरण शिविर का होगा आयोजन

■ डाभेल ग्राम पंचायत सरपंच हेमाक्षी पटेल ने पंचायत विस्तार के 18 से 40 वर्ष की आयु के पात्र व्यक्तियों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं मोबाइल नंबर के साथ शिविर में पहुंचकर लाभ उठाने का किया आह्वान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 फरवरी। दमण जिले में डाभेल ग्राम पंचायत की सरपंच एवं युवा भाजपा नेत्री हेमाक्षी पटेल की अध्यक्षता में प्रशासन के सहयोग से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना तथा एनपीएस व्यापारी योजना अंतर्गत पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह पंजीकरण शिविर दिनांक 27 फरवरी 2026 को सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन सोमनाथ ग्राम पंचायत कार्यालय में किया जाएगा। इस शिविर में निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रिक्शा चालक, कृषि श्रमिक, स्ट्रीट वेंडर, बीड़ी श्रमिक, छोटे दुकानदार, खुदरा व्यापारी, छोटे व्यापारी, कार्यशाला मालिक, कमीशन एजेंट आदि असंगठित क्षेत्र के श्रमिक एवं व्यापारी पंजीकरण करवा सकते हैं। दाभेल ग्राम पंचायत की सरपंच हेमाक्षी पटेल ने 18 से 40 वर्ष की आयु के पात्र व्यक्तियों से अनुरोध किया है कि वे अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं मोबाइल नंबर साथ लेकर शिविर में उपस्थित रहें तथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं एनपीएस व्यापारी योजना का लाभ उठाएं।

अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी, आरोपी कपल न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और उसके पति हर्ष सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी/एसटी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। हाईकोर्ट ने कपल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इसके पहले मंगलवार को हर्ष सिंह ने कहा कि हम शर्मिंदा हैं। ये सब कुछ हीट ऑफ द मोमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पहले दिन से ही पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ गलत व्यवहार का मामला खुद बहुत गंभीरता से लेते हैं। मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं। दिल्ली में नॉर्थईस्ट के लोगों के खिलाफ किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को अधिकारी गंभीरता से लेते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं खुद फॉलो-अप कर रहा हूं। हम सख्त कानूनी कार्रवाई कर रहे और सबक सिखाएंगे कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ बुरा बर्ताव नहीं होना चाहिए।

बीजेपी के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल के खिलाफ हेट स्पीच का मामला दर्ज

यादगीर (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल फिर विवादों में हैं। पुलिस ने बताया कि शिवाजी जयंती समारोह के दौरान कथित तौर पर हेट स्पीच (नफरत फैलाने वाला भाषण) देने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि जिले के गुरुमठकल कस्बे में शिवाजी जयंती के मौके पर एक भव्य जुलूस के बाद आयोजित कार्यक्रम में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और तभी यह घटना हुई। प्राथमिकी के अनुसार, यतनाल ने अपने भाषण के दौरान कथित तौर पर कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं। उन्होंने एक विशेष समुदाय को निशाना बनाकर एक हिंदी कविता उद्धृत की और महात्मा गांधी तथा जवाहरलाल नेहरू के बारे में भी कहा। उन्होंने कथित तौर पर एक विशेष समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाकर ''लव जिहाद'' का भी जिक्र किया और कुछ ऐतिहासिक हस्तियों पर अपमानजनक टिप्पणी की। पुलिस ने बताया कि इस भाषण के बाद समाचार और सोशल मीडिया मंचों पर तीखी प्रतिक्रिया आई, जिसमें कई लोगों ने नेता पर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया। भाषण की वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच और उसकी प्रतिलिपि तैयार करने सहित प्रारंभिक जांच के बाद जिला पुलिस कार्यालय से कानूनी राय मांगी गई।

वंदे भारत की चपेट में आने से पति-पत्नी और बच्ची की मौत

पाकुड़ (एजेंसी)। पाकुड़-रामपुरहाट रेलखंड के बीच नवीनगर स्टेशन के समीप एक हृदयविदारक हादसे में पति-पत्नी और उनके मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हुई है। तीनों की जान वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से चली गई। जानकारी के अनुसार, देर रात तेज रफ्तार से गुजर रही ट्रेन की चपेट में अचानक तीन लोग आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही तीनों ने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची गई है। पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान राजा पाड़ा के चंदन सरदार (35), उनकी पत्नी रिम्पा (25) और बेटी अर्पिता के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया, हमने शवों को अपने कब्जे में ले लिया है, जिन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को ईस्टर्न रेलवे के हावड़ा डिवीजन में नगरनबी रेलवे स्टेशन के पास हुई। जब न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस आ रही थी, तब परिवार रेलवे ट्रैक पार कर रहा था।

देश में करीब 90 प्रतिशत हिंदू मछली और मीट खाते... एआईएमआईएम नेता का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों के पास खुली मीट मछली की दुकानों पर बैन के मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस बैन पर एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने कहा, यह मुख्य रूप से साफ-सफाई से जुड़ा मामला है। लेकिन अगर कोई मछली और मीट पर नाराजगी जाहिर करता है, तब मैं बताना चाहूंगा कि देश में लगभग 90 प्रतिशत हिंदू मछली और मीट खाते हैं। उन्होंने कहा, यह एक राजनैतिक एजेंडा है, प्रोटीन कैसे मिलेगा बच्चों को? आप अमेरिका में देखिए, दुनिया भर के तमाम विश्वविद्यालयों में बच्चों को अंडे दिए जाते हैं। कौन कहता है कि गंदगी करते हैं, उसके लिए कानून बनाए। उन्होंने कहा, यह मामला साफ-सफाई का है, साफ-सफाई के लिए हम भारतीय वैसे ही बदनाम है, अगर कोई इस मामले को मांस मछली तक लेकर जाएगा जो देश के 90 फीसदी हिंदू भाई मांस, मछली और अंडा खाते हैं। होली में आप क्यों नहीं बोलते हैं जो लंबी-लंबी लाइन लगती है। खुद के इनके बच्चे जो अमेरिका में पढ़ते हैं, वे क्या खाते हैं, पूछिए इनसे। इस मामले की अखिल भारतीय इमाम संघ के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बिल्कुल यह अच्छी बात है कि धार्मिक स्थल और शिक्षण संस्थानों के आसपास मीट-मछली की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन हमें इसका भी ध्यान रखना चाहिए कि संविधान में खाने के अधिकार का भी प्रावधान है, जिसके तहत भारतीयों को कुछ भी खाने का अधिकार है।

यूपी में पीसीएस अधिकारी ने मांगी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, स्वास्थ्य बताया कारण

लखनऊ (एजेंसी)। पीसीएस अधिकारी सुबोध मणि शर्मा ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति मांगी है। उन्होंने इसके लिए स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है। वे इस समय प्रतापगढ़ रानीगंज तहसील में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। उन्हें साल 2024 में तहसीलदार से उपजिलाधिकारी के पद पर पदोन्नति मिली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नियुक्ति विभाग को वीआरएस के लिए भेजे प्रार्थना पत्र में सुबोधमणि शर्मा ने स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अब नौकरी नहीं कर पाने की बात लिखी है। उन्होंने आवेदन पर विचार करते हुए जल्द वीआरएस देने की मांग की है। नियुक्ति विभाग उनके प्रार्थना पत्र पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही उनके वीआरएस स्वीकृत हो जाएगा।

राज्यसभा चुनाव में इस बार सहयोगियों के सहारे कांग्रेस... मिलकर बना रही समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होने वाले है। कांग्रेस ने कई राज्यों में सहयोगी दलों के साथ तालमेल बनाकर अपनी रणनीति बना ली है। तमिलनाडु में डीएमके के समर्थन से पवन खेड़ा का नाम आगे बढ़ाया गया है, जबकि बिहार और तेलंगाना में एक सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

इन चुनावों में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की 2-2 तथा हिमाचल की 1 सीट पर मतदान होना है। विधानसभा की मौजूदा संख्या के आधार पर अलग-अलग राज्यों में अलग समीकरण बनाते दिख रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने डीएमके के साथ एक सीट पर अपने उम्मीदवार के तौर पर पवन खेड़ा का नाम आगे कर दिया है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की मुलाकात में इस पर सहमति बन गई है। मौजूदा विधानसभा संख्या के आधार पर डीएमके चार सीटें जीत सकती है और

एआईएडीएमके एक सीट हासिल कर सकती है, जबकि एक सीट पर मुकाबला संभव है।

बिहार की पांच सीटों में एनडीए के पास 202 विधायक हैं, जिससे एनडीए चार सीटों पर जीत दर्ज कर सकता है। पांचवीं सीट के लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। महागठबंधन के पास कुल 35 विधायक हैं और महागठबंधन को अन्य दलों का समर्थन जुटाना होगा। एआईएमआईएम के 5 विधायक और बसपा के 1 विधायक की भूमिका अहम हो जाती है।

वहीं तेलंगाना में दो सीटों पर चुनाव होना है। एक सीट जीतने के लिए 41 विधायकों का समर्थन चाहिए है। कांग्रेस के पास 66 विधायक है और सीपीआई का एक विधायक समर्थन में है। बीआरएस के पास आधिकारिक तौर पर 37 विधायक है, जबकि भाजपा के 8 और एआईएमआईएम के 7 विधायक हैं। बीआरएस द्वारा उम्मीदवार उतारने से मुकाबला त्रिकोणीय हुआ है। कांग्रेस की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी का नाम फिर से चर्चा में आ गया है।

हिमाचल प्रदेश की सीट के लिए कांग्रेस ने अभी उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। पार्टी संभावित नामों पर में आनंद शर्मा, प्रतिभा सिंह के नाम शामिल हैं। पिछली बार क्रॉस वोटिंग के कारण कांग्रेस उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं पश्चिम बंगाल की पांच सीटों में तृणमूल कांग्रेस चार सीटों पर दावा है, जबकि एक सीट पर मुकाबला संभव है। यह सीट फिलहाल वाम दल के पास है लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में वाम दलों की बुरी हार के बाद भाजपा इस पर बढ़त बना सकती है। ओडिशा की 4 सीटों में से बीजेपी 3 सीटों पर दावा कर रही है, जबकि बीजेडी एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। असम की 3 सीटों में बीजेपी 2 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एक सीट पर कांग्रेस और एआईयूडीएफ साथ मिलकर उम्मीदवार उतार सकते हैं। हरियाणा की 2 सीटों और छत्तीसगढ़ की दो सीटों पर भी कांग्रेस और बीजेपी के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है।

भगवान वेंकटेश के लड्डू प्रसाद की जांच करेगी इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक

-तिरुपति में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला

अमरावती (एजेंसी)। देश के प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू प्रसाद में मिलावट का मामला सामने के बाद ऐसा भविष्य में नहीं हो इसके लिए तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद की सामग्री जांच के लिए अत्याधुनिक खाद्य प्रयोगशाला स्थापित हो रही है। इसके बारे में जानकारी देकर आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्य कुमार यादव ने कहा कि तिरुपति जिले के तिरुमाला में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला अगले महीने से काम करना शुरू करेगी। खाद्य मंत्री ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान यह बयान दिया। आंध्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के बीच अक्टूबर 2024 में हस्ताक्षरित समझौते के बाद प्रयोगशाला का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए करीब 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। आंध्र सरकार में मंत्री यादव ने बताया कि इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों की जांच के लिए अत्याधुनिक उपकरण लगाए जा रहे हैं, लेकिन मुख्य उपकरण इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक होगी। जिन्हें फ्रांस से 35 लाख रुपये की लागत से आयात किया गया है। मंत्री यादव ने बताया कि यह उपकरण घी की शुद्धता, स्वाद, गंध और बनावट में होने वाले सूक्ष्म बदलावों का भी पता लगा सकते है। यह प्रसिद्ध लड्डू और अन्य प्रसाद बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर पर बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है। प्रयोगशाला में कच्चे माल की ताजगी का पता लगाने वाले सेंसर और माइक्रोबायोलॉजी परीक्षकों सहित दर्जनों अन्य उपकरण भी स्थापित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रयोगशाला में परीक्षण से यह सुनिश्चित होगा कि भक्तों को परोसे जाने वाले लड्डू और प्रसाद उच्चतम गुणवत्ता के हों। लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अगले महीने से परिचालन शुरू हो सकता है।

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड पहचान के रुप में मान्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड सिर्फ पहचान के रूप में मान्य नहीं होगा। इन्हें सिर्फ सहायक (पूरक) दस्तावेज माना जाएगा। एडमिट कार्ड तभी मान्य होगा जब उसके साथ मार्कशीट भी हो। वरिष्ठ वकील डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट के सामने मामला उठाकर पूछा था कि क्या क्लास 8वीं की परीक्षा का एडमिट कार्ड अपने आप में पहचान पत्र रूप में इस्तेमाल हो सकता है। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि क्लास 8वीं की मार्कशीट पहचान सत्यापन के लिए मान्य दस्तावेजों में शामिल है। एडमिट कार्ड सिर्फ उसी की पुष्टि के लिए जोड़ा जा सकता है। एडमिट कार्ड सिर्फ सहायक कागज है, यह अपने दम पर पहचान का आधार नहीं बन सकता।

बंगाल सहित 12 राज्यों में एसआईआर के फेज 2 के तहत वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया जारी है। यहां पर 28 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित होगी। बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच खींचतान चल रही है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी 2026 के अपने आदेश का हवाला देकर कहा कि जो दस्तावेज अभी तक अपलोड नहीं हुए हैं और 15 फरवरी से पहले मिले थे, उन्हें संबंधित ईआरओ और एईआरओ गुरुवार शाम 5 बजे तक न्यायिक अधिकारियों के सामने पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जन्मतिथि और पिता का नाम साबित करने के लिए मार्कशीट के साथ एडमिट कार्ड दिया जा सकता है। लेकिन एडमिट कार्ड सिर्फ मान्य नहीं होगा।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उठाया सवाल... 247 से अधिक विदेशी यात्राएं राहुल गांधी ने क्यों की

नेहरू ने भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नेहरू-गांधी परिवार पर गंभीर आरोप लगा दिए है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने कहा कि यह समझौता मिशन की कहानी है, जिसमें देश के हितों से समझौता कर परिवार के हितों को प्राथमिकता दी गई। नवीन ने कहा कि एक वक्त जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 45 करोड़ लोग उनके लिए एक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा, 1954 में किस प्रकार नेहरू ने बिना किसी रिवॉर्ड के तिब्बत में भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया। इतना ही नहीं उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर रक्षा सौदों के जरिए निजी बैंक खाते भरने के आरोप लगाए। नवीन ने राजीव गांधी के कार्यकाल का जिक्र कर कहा कि तब रक्षा सेवाओं का उपयोग निजी वित्तीय हितों को मजबूत करने के लिए हुआ।

नितिन नवीन ने राहुल गांधी को विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देकर कहा कि कांग्रेस का चुनावी इतिहास सीआईए की फंडिंग से दागदार रहा है। बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन पर भी सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2004 से 2014 के बीच राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के माध्यम से उन्होंने सुपर प्रधानमंत्री की तरह काम किया और मनमोहन सरकार के साथ एक समानांतर सरकार चलाई। उन्होंने दावा किया कि इसी अवधि में राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी सरकार और निवेशक जॉर्ज सोरोस के नेटवर्क से बड़ी फंडिंग मिली।राहुल गांधी को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें नकारात्मक राजनीति का चेहरा माना जाता है। उनके अनुसार राहुल गांधी ने 247 से अधिक विदेशी यात्राएं कीं, जिसमें से कई में सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि इन यात्राओं के पीछे क्या उद्देश्य था। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी नेताओं, जैसे इल्हान ओमर और जॉर्ज सोरोस से मुलाकातें भी इसी संदर्भ में देखी जानी चाहिए। नितिन नवीन ने कहा कि आज हमारे देश का युवा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहता है और यदि किसी भी तरह से उन्हें गुमराह करने की कोशिश होती है, तब यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब इस तथाकथित समझौता मिशन को समझ चुकी है और देशहित को सर्वोपरि मानती है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर जनता सजग है और भविष्य में वही नेतृत्व स्वीकार करेगी जो देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता हो।

कांग्रेस का 'शर्टलेस' प्रदर्शन... वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और प्रल्हाद जोशी ने राहुल गांधी को लताड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन को लेकर सियासी घमासान तेज हुआ है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय युवा कांग्रेस के 'शर्टलेस' विरोध प्रदर्शन की कड़ी आलोचना कर इस प्रदर्शन को वैश्विक मंच पर भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश बताया। उन्होंने कई पोस्ट कर कांग्रेस और विशेष रूप से राहुल गांधी पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री गोयल ने आरोप लगाया कि एआई शिखर सम्मेलन जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन में बिना शर्ट पहने प्रदर्शनकारियों को भेजना देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने जैसा है। उन्होंने इस हरकत को कांग्रेस की ÷समझौतावादी विरासत÷ का विस्तार बताया और पूर्व कांग्रेस सरकारों के फैसलों का हवाला दिया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से जुड़े कथित प्रस्ताव, राजीव गांधी के समय हुए बोफोर्स तोप सौदे विवाद और इंदिरा गांधी के दौरान कच्चातीवू समझौते का उल्लेख कर कांग्रेस पर राष्ट्रीय हितों से समझौते के आरोप लगाए।

वहीं केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी राहुल गांधी की 2024 की अमेरिका यात्रा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र पर चर्चा के नाम पर हुई इस यात्रा में इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल से जुड़े कार्यकर्ताओं और अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से कथित रूप से जुड़े नेटवर्क के लोगों से मुलाकात ने संदेह पैदा किया। केंद्रीय मंत्री जोशी ने दावा किया कि इन मुलाकातों में कतर की कथित मध्यस्थ भूमिका रही। दूसरी ओर, भारतीय युवा कांग्रेस ने अपने विरोध का बचाव करते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिन पर एआई समिट में देश की पहचान से समझौता करने का आरोप लगाया गया। भारत मंडपम में हुए इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी शर्ट उतारकर असहमति जताई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस पूरे घटनाक्रम ने भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति को एक बार फिर तेज कर दिया है, जहां दोनों दल राष्ट्रीय हित, पारदर्शिता और वैश्विक छवि के मुद्दे पर आमने-सामने हैं।

रोहित पवार का बड़ा आरोप, मुंबई पुलिस ने अजित विमान हादसे पर एफआईआर से किया इंकार

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी शरद गुट के नेता और स्व.अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने अजीत दादा के विमान हादसे के मामले में एफआईआर दर्ज ना करने को लेकर गंभीर आरोप लगाए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचे थे, लेकिन उनका दावा है कि मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिकायत दर्ज करने से इंकार किया।

एनसीपी नेता पवार ने बताया कि पुलिस स्टेशन में कनिष्ठ अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मौजूद थे, जिनके पास एफआईआर दर्ज करने का अधिकार है। बातचीत के बाद अधिकारी लैपटॉप लेकर आए और एफआईआर प्रिंट करने की प्रक्रिया शुरू की। तभी अतिरिक्त डीसीपी स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी वहां पहुंचे और एफआईआर दर्ज करने से इंकार किया। रोहित पवार ने कहा कि नए कानून के तहत किसी भी संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है

और यह प्रत्येक नागरिक का अधिकार है।

पुलिस स्टेशन जाने से पहले उन्होंने कहा था कि प्रस्तावित एफआईआर कई पक्षों के खिलाफ है, जिसमें वीएसआर के सहयोगी,डीजीसीए के संबंधित अधिकारी, उड़ान को मंजूरी देने वाली कंपनी एरो तथा राज्य सरकार से जुड़े एरो समूह के अधिकारी शामिल हैं। एक पांचवीं एफआईआर में नाम गोपनीय रखने की बात कही गई है, क्योंकि कुछ लोग आपराधिक साजिश मान रहे हैं। रोहित पवार ने वीएसआर कंपनी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के बीच कथित संबंधों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वीएसआर के भाजपा नेताओं, विशेषकर बीजेपी से जुड़े लोगों के साथ करीबी संबंधों के कारण सीधे कार्रवाई नहीं की गई।

भारतीयों में बढ़ा परोपकार का जज्बा: 540 अरब डॉलर पहुंचा दान का बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत में परोपकार और दान देने की संस्कृति न केवल समृद्ध हो रही है, बल्कि यह एक विशाल बाजार के रूप में उभर रही है। एक नवीनतम अध्ययन के अनुसार, देश में परोपकार के बाजार का आकार वर्ष 2023 के 370 अरब डॉलर से प्रभावशाली बढ़त दर्ज करते हुए अब 540 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह वृद्धि न केवल आर्थिक संपन्नता को दर्शाती है, बल्कि समाज के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बढ़ते भाव को भी रेखांकित करती है। अशोक विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर सोशल इम्पैक्ट ऐंड द फिलैंथ्रॉपी (सीएसआईपी) द्वारा हाऊ इंडिया गिव्स- 2025-26 शीर्षक से जारी रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत में दान का प्रवाह केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों की सीएसआर गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आम घरों से आने वाले निरंतर और गुमनाम दान की बहुत बड़ी भूमिका है।

इस अध्ययन की सबसे प्रेरक बात यह है कि दान देने वालों में केवल अमीर तबका ही शामिल नहीं है, बल्कि सीमित संसाधनों वाले लोग भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि 8,000 रुपये प्रति माह से कम आय वाले परिवारों में भी दान करने की प्रवृत्ति निरंतर बनी हुई है। यहाँ तक कि 4,000 से 5,000 रुपये के न्यूनतम मासिक उपभोग स्तर वाले आधे परिवार भी नियमित रूप से दान करते हैं। जैसे-जैसे आय और उपभोग का स्तर बढ़ता है, दान में भागीदारी का यह स्तर 70 से 80 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यह आंकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि परोपकार केवल विलासिता का हिस्सा है; यह भारतीय समाज की जड़ों में रची-बसी एक अनिवार्य आदत के रूप में उभरा है।

सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 68 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी रूप में परोपकारी कार्यों से जुड़े हैं। इनमें से 48 प्रतिशत लोग वस्तु के रूप में दान करना पसंद करते हैं, जिसमें भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक घरेलू सामान शामिल हैं। वहीं, 44 प्रतिशत लोग नकद दान के माध्यम से मदद पहुंचाते हैं और 30 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो विभिन्न गैर-लाभकारी संस्थाओं या धार्मिक समूहों के साथ स्वयंसेवक के रूप में अपना समय और श्रम दान करते हैं। हालांकि धार्मिक संगठनों और जरूरतमंदों को प्रत्यक्ष रूप से की जाने वाली मदद अभी भी सबसे बड़ा हिस्सा है, लेकिन अब सामाजिक कारणों के लिए दान देने की प्रवृत्ति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो एक परिपक्व समाज का संकेत है। यह व्यापक सर्वेक्षण देश के 20 राज्यों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 7,000 लोगों के बीच किया गया। इस अध्ययन का आधार राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के उपभोग डेटा को बनाया गया, जिससे रोजमर्रा के दानदाताओं का सटीक प्रोफाइल तैयार करने में मदद मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत जिस तरह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है और घरेलू उपभोग में वृद्धि हो रही है, आने वाले समय में रोजमर्रा के दान का यह क्षेत्र और अधिक संगठित और विस्तृत होगा। यह रिपोर्ट साबित करती है कि परोपकार का भारतीय मॉडल व्यक्तिगत करुणा और सामुदायिक जुड़ाव पर टिका है, जहाँ हर वर्ग अपनी क्षमता अनुसार समाज के उत्थान में योगदान दे रहा है।

खुदरा ऋण बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसद बढ़कर 162 लाख करोड़ पहुंचा

-सोने में तेजी, त्योहारी मांग, जीएसटी में कटौती से कर्ज वितरण को मिला बढ़ावा

मुंबई।

खुदरा ऋण का बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसदी बढ़कर 162 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। सोने की कीमतों में तेजी, त्योहारी मांग और जीएसटी दरों में कटौती से कर्ज वितरण को बढ़ावा मिला है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के दौरान खुदरा ऋण में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाला आवासीय ऋण खंड 10.5 फीसदी बढ़कर 43 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, सोने के बदले कर्ज यानी स्वर्ण ऋण में 44.1 फीसदी की वृद्धि हुई और इसका बकाया 16.2 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान व्यक्तिगत ऋण खंड का बकाया भी 11.6 फीसदी बढ़कर 15.9 लाख करोड़ रुपए हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक जीएसटी दरों में कटौती से वाहन कर्ज में 14.6 फीसदी, दोपहिया वाहन ऋण में 12.3 फीसदी और टिकाऊ उपभोक्ता सामान ऋण में 14.3 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। आलोच्य अवधि में एकल स्वामित्व वाली इकाइयों द्वारा लिए गए ऋण का बकाया 26.2 फीसदी बढ़ा। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर 30 से 180 दिन की देरी वाले खुदरा ऋणों का अनुपात घटकर दिसंबर, 2025 में 2.8 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 3.2 फीसदी था। आवासीय ऋण के संदर्भ में सक्रिय ऋण खातों की संख्या 3.3 लाख बढ़ी, जो औसत ऋण आकार में वृद्धि का संकेत है।

एन्थ्रोपिक की साझेदारी से आईटी शेयरों में जोरदार उछाल

एआई से व्यवधान की आशंका घटी, इनफोसिस, विप्रो और टाटा कन्सलटेंसी सर्विस में 5 फीसद तक तेजी

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर सॉफ्टवेयर उद्योग में छाई अनिश्चितता के बीच अमेरिकी एआई स्टार्टअप एन्थ्रोपिक की नई साझेदारियों ने भारतीय आईटी सेक्टर को बड़ी राहत दी है। कंपनी द्वारा कई एसएएएस फर्मों के साथ रणनीतिक गठजोड़ की घोषणा के बाद बुधवार को देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। बाजार में यह उछाल ऐसे समय में आया है, जब पिछले पांच कारोबारी सत्रों से लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ था। इन्फोसिस, विप्रो और टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) के शेयरों में निवेशकों की जोरदार खरीदारी देखी गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि एंथ्रोपिक की घोषणा से यह संकेत मिला है कि एआई पारंपरिक आईटी सेवाओं के लिए खतरा नहीं, बल्कि सहयोगी भूमिका निभाएगा। एंथ्रोपिक ने अपने 'एंटरप्राइज एजेंट' इवेंट में कई बड़े प्लेटफॉर्म के साथ इंटीग्रेशन की घोषणा की। कंपनी ने अपने क्लाउड को-वर्क प्लेटफॉर्म को सेल्सफोर्स के स्लैक, इनफुटह्न, डोकुसिंग्न, लीगलजूम, फेक्टसेट और गूगल के जीमेल जैसे एंटरप्राइज एप्लीकेशंस के साथ जोड़ने की सुविधा दी है। साथ ही, वित्तीय विश्लेषण, इंजीनियरिंग और मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों के लिए कस्टमाइज्ड प्लगइन्स की भी घोषणा की गई है। अमेरिकी बाजार से भी सकारात्मक संकेत मिले। वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में तेजी के चलते डाव जोनेस इंडस्ट्रियल एवरेज में 370 अंकों की बढ़त दर्ज की गई, जबकि एसएंडपी 500 और नसडक कॉम्पोसाइट क्रमशः 0.7 फीसद और 1.1फीसद चढ़े।

बैंगलुरु में एटीएम पर कैश की किल्लत, नहीं मिल रहे 500 रुपए के नोट

-बैंकिंग सिस्टम धीमा, जितना कैश निकल रहा है, उतना नहीं आ रहा वापस

नई दिल्ली।

आईटी हब बैंगलुरु में इन दिनों एटीएम पर कैश की किल्लत देखने को मिल रही है। शहर के कई इलाकों में लोग एक एटीएम से दूसरे एटीएम तक भटक रहे हैं लेकिन पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है। खासतौर पर 500 रुपए के नोट की उपलब्धता बेहद सीमित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकारी और निजी दोनों बैंक अचानक बढ़ी नकदी मांग के दबाव में हैं। बैंकों के पास कैश की सप्लाई पूरी तरह रुकी नहीं है लेकिन निकासी में तेजी आने से एटीएम समय पर रिफिल नहीं हो पा रहे हैं। परिणामस्वरूप मशीनों में सीमित मात्रा में ही कैश डाला जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग सूत्रों का कहना है कि करंट और ओवरड्राफ्ट खातों से बड़े पैमाने पर नकदी निकाली जा रही है। निर्माण, प्रॉपर्टी डेवलपमेंट और सरकारी सिविक प्रोजेक्ट्स से जुड़े कारोबारी और ठेकेदार मजदूरी व अन्य भुगतान के लिए नकद का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम तौर पर यह पैसा कुछ दिनों में बैंकिंग सिस्टम में वापस लौट आता है लेकिन हाल के हफ्तों में यह चक्र धीमा पड़ा यानी जितना कैश निकल रहा है, उतना वापस नहीं आ रहा है। शहर में नगर निगम चुनाव प्रस्तावित हैं, वहीं पड़ोसी राज्यों केरल और तमिलनाडु में भी आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होना हैं। कुछ जानकारों का मानना है कि चुनावी तैयारियों के चलते नकदी की मांग बढ़ सकती है। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती नकद निकासी शुरुआती चेतावनी संकेत मानी जाती है। आरबीआई करेंसी की उपलब्धता पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर संतुलन बहाल करने के उपाय कर सकता है। इस बीच बैंकों ने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग का ज्यादा इस्तेमाल करने की सलाह दी है, ताकि नकदी पर दबाव कम किया जा सके। बैंक एटीएम में रिफिल को प्राथमिकता देने की बात कह रहे हैं लेकिन फिलहाल 500 रुपए के नोट की कमी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी है।

होली से पहले कंपनियां एलपीजी के रेट करेंगी अपडेट, उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका

नई दिल्ली।

होली से पहले 1 मार्च को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के रेट अपडेट होंगे। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इस दिन नए रेट जारी करेंगी। पिछले पांच साल का ट्रेंड बताता है कि मार्च के महीने में घरेलू और कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट बढ़े ही हैं। कॉमरशियल सिलेंडर तो हर बार महंगा हुआ है, जबकि इस दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट मार्च में जब भी बदले, उपभोक्ताओं को झटका ही लगा है। अभी दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर 853 रुपए, कोलकाता में 879, मुंबई में 852.50 और चेन्नई में 868.50 रुपए में मिल रहा है।

यह आंकड़े इंडियन ऑयल की वेबसाइट से लिए गए हैं। इसके अनुसार कॉमर्शियल सिलेंडर दिल्ली में 1740.50 रुपए, कोलकाता में 1844.50, मुंबई में 1692 और चेन्नई में 1899.50 रुपए में बिक रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच साल में तीन बार ही मार्च में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बदले। दो बार 1 मार्च को और एक बार 22 मार्च को। एक मार्च 2023 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया था। 6 जुलाई 2022 के बाद रेट में बदलाव हुआ था और दिल्ली में यह 50 रुपए बढ़कर 1103 रुपए पर पहुंच गया था। 14 किलो वाले इस सिलेंडर के दाम कोलकाता में 1129, मुंबई में 1102.50 और चेन्नई में 1118.50 रुपएपर पहुंच गए थे, जबकि साल 2022 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में बदलाव 22 मार्च को हुआ। इस दिन भी 50 रुपए का इजाफा हुआ था। रेट में बदलाव 6 अक्टूबर 2021 के बाद हुआ था।

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 949.50 रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कोलकाता में 976, मुंबई में 949.50 और चेन्नई में 965.50 रुपए का हो गया। साल 2021 का मार्च भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को झटका ही दिया। 1 मार्च 2021 को घरेलू एलपीजी सिलेंड दिल्ली में 25 रुपए महंगा होकर 819, कोलकाता में 845.50, मुंबई में 819 और चेन्नई में 835 रुपए का हो गया। पिछले साल यानी 2025 में दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में मामूली बढ़ोतरी हुई थी। एक फरवरी को 19 किलो वाला सिलेंडर यहां 1 फरवरी को 1797 रुपए में बिक रहा था, जो 1 मार्च 2025 को 6 रुपए बढ़कर 1803 रुपए हो गया।

ट्रंप ने सोलर इंपोर्ट्स पर लगाया 126 प्रतिशत टैरिफ.....औंधे मुंह गिरे सोलर कंपनियों के शेयर

मुंबई।

सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही औंधे मुंह गिर गए हैं। सोलर कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड, प्रीमियर एनर्जी, विक्रम सोलर, वारी रिन्यूएबल तकनीक और इंडोसोलर लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत तक टूट गए हैं। दरअसल अमेरिका ने भारत से किए जाने वाले सोलर इंपोर्ट्स पर भारी-भरकम ड्यूटी लगा दी है, इससे इंडियन सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को टूट गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत से होने वाले सोलर इंपोर्ट्स (सोलर प्रॉडक्ट्स के आयात) पर 126 प्रतिशत की शुरुआती ड्यूटी लगाई है। यह ड्यूटी ट्रंप प्रशासन की तरफ लगाए टैरिफ से अलग होगी। वारी एनर्जीज लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत टूटकर 2571.45 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के शेयर भी 13 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 667.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। विक्रम सोलर लिमिटेड के शेयर 5 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़ककर 171.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 810 रुपये पर पहुंच गए हैं। इंडोसोलर लिमिटेड के शेयरों में भी 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारत के अलावा, इंडोनेशिया से होने वाले आयात पर भी अमेरिका ने 86 से 143 प्रतिशत के बीच शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। लाओस से होने वाले इंपोर्ट पर 81 प्रतिशत की ड्यूटी लगाई गई है। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, फॉरेन सब्सिडीज के आधार पर यह रेट्स तय किए गए हैं, जिससे निर्यातक सस्ते दाम पर प्रॉडक्ट्स बेचकर घरेलू सोलर प्रॉड्यूसर्स को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, साल 2024 में भारत से सोलर इंपोर्ट्स 792.6 मिलियन डॉलर रहा, जो कि साल 2022 के मुकाबले 9 गुना से ज्यादा बढ़ा है। लेकिन ड्यूटी बढ़ने से इंडियन सोलर पैनल मैन्युफैक्चरर्स को तगड़ा झटका लगेगा।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया 90.94 पर खुला और फिर 90.89 तक पहुंच गया, ये पिछले बंद भाव से 6 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं गत दिवस मंगलवार को रुपया 6 पैसे टूटकर 90.95 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 90.89 पर पहुंच गया। इसका कारण डॉलर का कमजोर होना और घरेलू इक्विटी मार्केट में मजबूत शुरुआत को माना जा रहा है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आये बदलाव का प्रभाव भी रुपये पर पड़ा है।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM SHRIVASTAVA VISHAL ANANTKUMAR TO **NEW NAME - VISHAL SHRIVASTAVA.** AND I SHALL BE KNOWN BY NEW NAME WHICH PLEASE NOTE.

SD.:- VISHAL SHRIVASTAVA.

ADDRESS :- FLAT NO. K 208, SAI NAGAR, MASAT, BEHIND POLICE STATION, VIA-SILVASSA-396230 OF THE U. T. OF DADRA AND NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU.

उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर को अस्थाई रूप से कुर्क किया गया

मुंबई (ईएमएस)। उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर को अस्थाई रूप से कुर्क किया गया है। कुर्की की ये कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से की गई है। ईडी से जुड़ें सूत्रों के अनुसार इस घर की कीमत करीब 3,716 करोड़ रुपये बताई जा रही है। ईडी के अनुसार अनिल अंबानी और उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ अब तक कुल अटैचमेंट की कार्रवाई 15,000 करोड़ से अधिक की हो चुकी है। आपको बता दें कि इस कार्रवाई से पहले बंबई उच्च न्यायालय ने उद्योगपति अनिल अंबानी को झटका देते हुए एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को सोमवार को रद्द कर दिया, जिसमें उनके एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैंक खातों को ''धोखाधड़ी वाला वर्गीकृत करने की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ ने सार्वजनिक क्षेत्र के तीन बैंक और लेखा परामर्श कंपनी बीडीओ इंडिया एलएलपी की, दिसंबर 2025 में पारित एकल पीठ के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर अपील को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया था।खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए इसे अवैध एवं विकृत करार दिया था। अनिल अंबानी के वकीलों ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि आदेश पर रोक लगाई जाए ताकि वे उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकें, लेकिन अदालत ने यह मांग ठुकरा दी।अंबानी एवं उनकी कंपनी को अंतरिम राहत देने वाले दिसंबर 2025 के आदेश को तीनों बैंक ने पिछले महीने चुनौती दी थी। उस आदेश में अनिवार्य भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए कहा गया था कि बैंक वर्षों बाद गहरी नींद से जागे हैं।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग – दीव

निविदा आमंत्रण सूचना

सरकारी अस्पताल में बायो मेडिकल वेस्ट रूम, विभिन्न शेड, पैंटिंग, फर्निशिंग, प्लंबिंग और अन्य संबद्ध कार्यों का निर्माण। अस्पताल, दीव (2nd Call)

For details please scan

https://ddtenders.gov.in

eepwd-diu-dd@nic.in

02875-252294

निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं.	:	36/2025-2026 (2026_DIUDT_4633_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि	:	--
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	:	05/03/2026
ऑनलाइन करने की तिथि	:	05/03/2026
बोली खुलने की तिथि	:	05/03/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.

NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1197 DATE :- 25/02/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग – दीव

निविदा आमंत्रण सूचना

दीव जिले में जल आपूर्ति के रखरखाव और मरम्मत के लिए जनशक्ति की तैनाती (4th Call)

For details please scan

https://ddtenders.gov.in

eepwd-diu-dd@nic.in

02875-252294

निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं.	:	36/2025-2026 (2026_DIUDT_4634_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि	:	--
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	:	05/03/2026
ऑनलाइन करने की तिथि	:	05/03/2026
बोली खुलने की तिथि	:	05/03/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.

NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1198 DATE :- 25/02/2026

मार्च महीने में 11 दिन बंद रहेंगे बैंक

मुंबई, (ईएमएस)। फरवरी खत्म होने में सिर्फ तीन दिन बचे हैं। इस साल फरवरी 28 दिन का है। उसके बाद मार्च शुरू हो जाएगा। मार्च को बहुत अहम माना जाता है। यह वित्तीय वर्ष 2025-26 का आखिरी महीना होगा। इस वजह से पैसों से जुड़े कई नियम बदल जाएंगे। जिन लोगों को अगले महीने बैंक में ज़रूरी काम है, उनके लिए बहुत ज़रूरी खबर है। दरअसल मार्च महीने की बैंक छुट्टियों की लिस्ट आ गई है। मार्च में बैंक 11 दिन बंद रहेंगे। * **मार्च में बैंक की छुट्टियों की लिस्ट** 1 मार्च- रविवार देश भर के सभी बैंक बंद, 2 मार्च- होलिका दहन की वजह से बैंक बंद, 3 मार्च- धूलीवंदन की वजह से बैंक बंद, 4 मार्च- अगरतला, अहमदाबाद, आइजोल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, देहरादून, ईटानगर, जम्मू, कानपुर, नई दिल्ली, रायपुर में होली की वजह से बैंक बंद, 13 मार्च- आइजोल में चपचर कुट की वजह से बैंक बंद, 17 मार्च- शब-ए-कद्र की वजह से बैंक बंद, 19 मार्च- गुड़ी पड़वा, तेलुगु न्यू ईयर, महाराष्ट्र, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, इंफाल, श्रीनगर, नागपुर, पणजी, विजयवाड़ा में पहली नवरात्रि की वजह से बैंक बंद, 20 मार्च- जम्मू, श्रीनगर, कोच्चि, त्रिवेंद्रम में ईद-उल-फितर (रमजान)/जुमा-उल-विदा की वजह से बैंक बंद, 21 मार्च- रमज़ान-ईद की वजह से बैंक बंद, 26 मार्च- बैंक बंद रहेंगे कई जगहों पर रावणवमी की वजह से बैंक बंद रहेंगे।, 27 मार्च- राम नवमी की वजह से भोपाल, भुवनेश्वर, गंगटोक, पटना, हैदराबाद, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। 31 मार्च- महावीर जयंती की वजह से अहमदाबाद, बेलापुर, भोपाल, चेन्नई, जयपुर, कानपुर, नई दिल्ली, रांची में बैंक बंद रहेंगे।

152 लोगों की मौत और 179 घायल...जम्मू-कश्मीर में बारिश ने मचाया भीषण कहर

जम्मू (ईएमएस)। भारी बारिश और बादल फटने से 21,000 ढांचे क्षतिग्रस्त हुए, जिसमें अधिकतर रिहायशी मकान थे। 1,515 मवेशियों की मौत हुई। 14 अगस्त 2025 को किश्तवाड़ के चिशौती गांव में हुई विनाशकारी घटना में 63 लोगों की जान गई और कई घायल हुए, जबकि 30 लोग लापता रहे। 26 अगस्त को वैष्णो देवी मार्ग पर हुए भूस्खलन में 32 लोगों की मौत हुई और 20 अन्य घायल हुए। उमर सरकार ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत मृतकों, घायलों और मकानों के नुकसान के लिए मुआवजा वितरित किया। वित्त वर्ष 2025-26 में एसडीआरएफ के तहत कुल 289.39 करोड़ रुपये जारी किए गए, जिसमें 200.39 करोड़ जम्मू संभाग और 89 करोड़ कश्मीर संभाग को राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए दिए गए। जम्मू संभाग में सबसे अधिक नुकसान हुआ, जहां 3,304 मकान पूरी तरह नष्ट, 1,818 गंभीर रूप से और 11,622 आंशिक रूप से प्रभावित हुए। 3,531 झोपड़ियां और पशु शेड नष्ट हुए, 1,461 मवेशियों की मौत हुई और 1,035 टिन शेड भी क्षतिग्रस्त हुए। कश्मीर संभाग में केवल 12 मकान पूरी तरह नष्ट हुए, 44 गंभीर रूप से और 597 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। 71 झोपड़ियों और पशु शेडों को नुकसान पहुंचा और 54 मवेशियों की मौत हुई। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 3 से 7 सितंबर 2025 के बीच नुकसान का आकलन करने के लिए अंतर-मंत्रालयी टीम भेजी और रिपोर्ट छह नवंबर 2025 को प्रस्तुत की। इसके बाद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पोस्ट डिजास्टर नीड असेसमेंट के लिए 17 से 25 नवंबर 2025 के बीच विशेषज्ञों की टीम भेजी। केंद्र सरकार ने इस आधार पर जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष सहायता योजना के तहत 1,431 करोड़ रुपये आवंटित किए। इसके अलावा, एसडीआरएफ के तहत जारी 289.39 करोड़ रुपये के अतिरिक्त, कैपेक्स बजट 2025-26 के अंतर्गत फ्लड रिलीफ गतिविधियों के लिए 100 करोड़ रुपये (प्रत्येक जिले को 5 करोड़ रुपये) जारी किए गए। मुख्यमंत्री राहत कोष से किश्तवाड़ के चिशौती बाढ़ पीड़ितों को 207 लाख रुपये और पुंछ जिले के भूस्खलन प्रभावित गांवों को 45 लाख रुपये दिए गए।

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 17/03/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000121-2026
C. M. A. No. 72/2026

Shah Kausha Shreevankumar & 1 Anr ..... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 195/2014, dated: 25/04/2014.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 24/02/2026

By Order

A.S. / Superintendent, Diu

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 17/03/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000124-2026
C. M. A. No. 75/2026

Bharatkumar Deugi & 1 Anr ..... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 291/1991, dated: 29/10/1991.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 24/02/2026

By Order

A.S. / Superintendent, Diu

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

ललित गर्ग

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है।

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निमार्ता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई

और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाजार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आतंक की परिभाषा तो बताओ

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडकू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आर्तकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आर्तकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है-'प्रहार।' अर्थात् प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी ह्यआतंकवादह्न माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके। प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में 'फ्री कश्मीर' और 'कश्मीर में जनसंहार बंद करो' जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला. इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है.

जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.

सुरक्षा एजेंसियों ने कोलकाता में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की गहरी पैठ और एक सुनियोजित साजिश का सनसनीखेज खुलासा किया है। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी उमर फारूक ने कोलकाता महानगर को ही अपना मुख्य परिचालन केंद्र बना लिया था और वह लश्कर के एक सक्रिय हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उमर का संपर्क मार्च 2025 में कश्मीर निवासीसब्बिर अहमद लोन से हुआ था, जिसके बाद कोलकाता को दहलाने की खतरनाक साजिश की पटकथा लिखी गई। इस नेटवर्क ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए न केवल हिंदू नामों का सहारा लिया, बल्कि शहर के अति-संवेदनशील धार्मिक स्थलों की रेकी कर उनके वीडियो सीमा पार अपने आकाओं को भेजे।खुफिया एजेंसियों के दावे के मुताबिक, हैंडलर सब्बिर के सीधे निर्देश पर उमर ने कोलकाता में एक किराए का मकान लिया था. जिसे साजिश को अंजाम देने के लिए सेफ हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि आतंकियों के निशाने पर चांदनी चौक इलाके के पास स्थित एक प्रमुख मंदिर था। उमर और उसके साथियों ने अपनी पहचान छिपाकर इस मंदिर की येह ली और उसका विस्तृत वीडियो बनाकर कश्मीर मेंबैठे अपने हैंडलर को भेजा। माजिश का दायरा केवल रेकी तक सीमित नहीं था सुरक्षा बलों को पुख्ता इनपुट मिले हैं कि यह मॉड्यूल शहर में विस्फोटक और आधुनिक हथियार जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर चुका था। दिसंबर 2024 से ही कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में रेकी की जा रही थी और माहौल को अस्थिर करने के लिए देश विरोधी पोस्टर लगाने की भी योजना बनाई गई थी। उमर और उसके गिरोह नैखेची-समझी रणनीति के तहत हिंदू नामों का उपयोग किया ताकि स्थानीय लोगों और पुलिस की

रडार से बचा जा सके। खुफियाअधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते इस मॉड्यूल का पदार्फाश नहीं होता, तो कोलकाता किसी बड़ी आतंकी त्रासदी का गवाह बन सकता था। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उम्र से मिली जानकारी के आधार पर इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को

जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महानगर में उन्हें स्थानीय स्तर पर औरकिन लोगों से रसद व अन्य सहायता मिल रही थी।एसटीएफ ने दूसरे के आधार कार्ड पर भारतीय सिम सक्रिय कर उनका ओटीपी पाकिस्तान भेजने बाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बहारमपुर से पकड़े गए आरोपी का नाम सुमन शेख है। वह पुणे में काम के दौरान पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में खुलासा हुधा है कि सुमन फर्जी आधार कार्ड के जरिए प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदता और उनके नंबर व व्हाट्सऐप ओटीपी सीमा पार भेज देता था। इसके बदले उसे क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान किया जाता था। इन सिम काईस का इस्तेमाल जासूसी या साइबर ठगी के लिए होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताविक, इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है। आपको पता रहे कि मालदा जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत गोपालपुर ग्राम पंचायत के अशिनटोला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में उमर फारूक नामक युवक को गिरफ्तार किया। साठवीं कक्षा तक पढ़े इस युवक की गिरफ्तारी ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में सक्रिय आतंकी मॉड्यूल्स की मौजूदगी को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अधिक चौंकाने वाली बात उमर फारूक के परिवार के सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों में मौजूद भारी विरोधाभास है । उमर फारूक की मां ने अपने बयान में एक और बेटे की नासमझी का तर्क दिया है तो दूसरी और अनजाने में ही सही पर एक गंभीर संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि उमर पूरी तरह अशिक्षित है और उसे किसी भी संगठन की विचारधारा की समझ नहीं है। मां के अनुसार, संभव है कि पैसों के लालच में आकर उसने कुछ पोस्टर लगाए हों, लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि वे पोस्टर किसी उग्रवादी संगठन के हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका बेटा किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधि में जानबूझकर शामिल नहीं हो सकता। यहीं दूसरी ओर, उमर की पत्नी ने अपनी सास के दावे को पूरी तरह से खारिज करते हुए अपने पति को बेकसूर और साजिश का शिकार बताया है। पत्नि का कहना है कि उम्र सालों से कोलकाता में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था और उन्होंने कभी भी उसके व्यवहार में कोई संदिग्ध बदलाव या किसी अज्ञात व्यक्ति से उसके संपर्क को नहीं देखा। एजेंसियां फिलहाल उबर के इन अलग-अलग दावों और पारिवारिक विरोधाभासों की बारीकी से जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह कोलकाता में मजदूरी की आड़ में किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों का मानना है कि परिवार के बयानों में यह अंतर किसी बड़ी सच्चाई को छिपाने की कोशिश भी हो सकता है। फिलहाल पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि उमर की वास्तविक भूमिका क्या थी और वह किन लोगोंके निर्देश पर काम कर रहा था।

दरअसल इन पोस्टर्स का उद्देश्य सोशल नैरेटिव को प्रभावित करना और भारत में अस्थिरता पैदा करना था.जांच एजेंसियां अभी यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन आरोपियों का भारत के किसी स्थानीय मॉड्यूल या अन्य संगठनों से भी संपर्क था. शुरूआती इनपुट बताते हैं कि इस नेटवर्क में कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है. फिलहाल 8 संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ सुरक्षा एजेंसियां इसे भारत में सक्रिय एक बड़ी संगठित आतंकी साजिश का महत्वपूर्ण भंडाफोड़ मान रही हैं.वहीं सुरक्षा एजेंसियों को तमिलनाडु और कोलकाता में आतंकी के तार मिलने से हैरत है।

'केरल' से 'केरलम': पहचान की पुनर्स्थापना या राजनीतिक रणनीति?

कांतिलाल मांडोत

नाम परिवर्तन के फैसले के लाभ-हानि, चुनावी असर और भाजपा के संभावित फायदे की पड़ताल...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक बहस का विषय बन गया है। यह फैसला उस प्रस्ताव की अगली कड़ी है जिसे राज्य विधानसभा पहले ही पारित कर चुकी थी। अब प्रश्न यह है कि इस नाम परिवर्तन से राज्य को वास्तविक लाभ क्या होंगे, संभावित हानियां क्या हो सकती हैं, इसका चुनावी राजनीति पर क्या असर पड़ेगा और क्या इससे भारतीय जनता पार्टी को कोई राजनीतिक फायदा मिल सकता है।

सबसे पहले लाभ की बात करें तो समर्थकों का तर्क है कि 'केरलम' नाम राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के अधिक अनुरूप है। मलयालम भाषा में राज्य को 'केरलम' कहा जाता है, इसलिए यह परिवर्तन स्थानीय अस्मिता और आत्मसम्मान को मजबूती देता है। भारत में पहले भी कई राज्यों ने अपनी ऐतिहासिक या भाषाई पहचान के अनुरूप नाम बदले हैं–जैसे ओडिशा (पूर्व नाम उड़ीसा) और उत्तराखंड (पूर्व नाम उत्तरांचल)। इन उदाहरणों से यह तर्क दिया जाता है कि नाम परिवर्तन कोई असामान्य कदम नहीं, बल्कि समय के साथ पहचान के परिष्कार की प्रक्रिया है।

दूसरा संभावित लाभ सांस्कृतिक ब्रांडिंग का है। 'केरलम' नाम पर्यटन, आयुर्वेद, बैकवाटर्स और पारंपरिक कला रूपों की वैश्विक पहचान को स्थानीय भाषा से जोड़ सकता है। जब कोई राज्य अपनी मूल सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को आधिकारिक रूप देता है तो वह अपने नागरिकों में गौरव की भावना उत्पन्न करता है। इससे प्रवासी समुदाय, विशेषकर खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों मलयाली लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत हो सकता है। यह मनोवैज्ञानिक लाभ सीधे आर्थिक लाभ में बदले या न बदले, लेकिन सामाजिक आत्मविश्वास को बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां और संभावित हानियां भी जुड़ी हैं। नाम बदलने की प्रक्रिया में प्रशासनिक दस्तावेजों, शैक्षणिक प्रमाणपत्रों, सरकारी वेबसाइटों, कानूनी अभिलेखों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समझौतों में संशोधन की आवश्यकता होगी। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों लेती है। आलोचकों का कहना है कि जब राज्य बेरोजगारी, बाढ़ प्रबंधन, कर्ज बोझ और बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों से जूझ रहा हो, तब नाम परिवर्तन प्राथमिकता नहीं होना चाहिए। उनका तर्क है कि इससे प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ सीमित हैं, जबकि प्रशासनिक लागत वास्तविक है।

चुनावी असर के संदर्भ में यह निर्णय दिलचस्प है। केरल में लंबे समय से वामपंथी दलों और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन का वर्चस्व रहा है। भाजपा यहां अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। ऐसे में यदि नाम परिवर्तन का निर्णय केंद्र सरकार की मंजूरी से आगे बढ़ता है, तो भाजपा इसे 'संस्कृति के सम्मान' और 'संविधान सम्मत प्रक्रिया' के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह संदेश देने की कोशिश हो सकती है कि केंद्र क्षेत्रीय पहचान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके साथ है। इससे भाजपा को यह नैरेटिव गढ़ने का अवसर मिल सकता है कि वह केवल हिंदी पट्टी की पार्टी नहीं, बल्कि दक्षिण भारत की आकांक्षाओं को भी समझती है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि केरल की राजनीति अत्यंत जागरूक और वैचारिक रूप से परिपक्व मानी जाती है। यहां मतदाता केवल प्रतीकात्मक मुद्दों पर वोट नहीं देते, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और धर्मनिरपेक्षता जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए केवल नाम परिवर्तन से चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव आ जाए, यह मान लेना जल्दबाजी होगी। हां, यह भाजपा के लिए एक संवाद का द्वार खोल सकता है, जिससे वह राज्य की सांस्कृतिक भावनाओं के प्रति संवेदनशील दिखे।

भाजपा के संभावित फायदे पर यदि विस्तार से विचार करें तो यह निर्णय उसे दक्षिण भारत में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का अवसर दे सकता है। पार्टी यह तर्क रख सकती है कि उसने राज्य विधानसभा की इच्छा का सम्मान किया और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कदम उठाया। इससे वह उन मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर सकती है जो क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन चाहते हैं। साथ ही, यह विपक्ष के उस आरोप को भी कमजोर कर सकता है कि केंद्र सरकार राज्यों की स्वायत्तता की अनदेखी करती है।

दूसरी ओर, विपक्ष इसे 'प्रतीकात्मक राजनीति' बताकर जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगा सकता है। यदि राज्य में आर्थिक या सामाजिक समस्याएं बनी रहती हैं, तो नाम परिवर्तन का मुद्दा जल्दी ही पृष्ठभूमि में चला जाएगा। इसलिए चुनावी लाभ तभी संभव है जब इसे व्यापक विकास और सुशासन के एजेंडे के साथ जोड़ा जाए।

एक और महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय स्तर का है। यदि संसद में यह विधेयक पारित होता है, तो यह संदेश जाएगा कि भारत की संघीय संरचना में राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को मान्यता देने की परंपरा जारी है। इससे अन्य राज्यों में भी समान मांगें तेज हो सकती हैं, जैसा कि पश्चिम बंगाल द्वारा 'बांग्ला' नाम के प्रस्ताव के मामले में देखा गया था। हालांकि हर प्रस्ताव का मूल्यांकन अलग राजनीतिक और कूटनीतिक संदर्भ में होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि 'केरल' से ह्यकेरलमह्न का नाम परिवर्तन भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके आर्थिक और प्रशासनिक प्रभाव सीमित और मिश्रित रहेंगे। चुनावी राजनीति में इसका असर परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। यदि इसे क्षेत्रीय सम्मान और विकास के व्यापक विमर्श से जोड़ा गया तो भाजपा को सीमित लेकिन प्रतीकात्मक लाभ मिल सकता है; यदि यह केवल नाम तक सीमित रहा तो इसका प्रभाव भी प्रतीकात्मक ही रहेगा। लोकतंत्र में नाम केवल पहचान का माध्यम है, असली कसौटी नीतियों और उनके परिणामों से तय होती है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रदेश में लगाए गए कर्फ्यू को हटाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रदेश में तनाव के चलते लगाए गए कर्फ्यू को सोमवार को हटा दिया गया। रौतहट जिले में गोर नगरपालिका में शादी की झगड़े के बाद उत्पन्न तनाव के कारण शनिवार से लागू कर्फ्यू सोमवार सुबह 10 बजे हटाया गया। कर्फ्यू हटने के बाद बाजार, यातायात और शैक्षणिक संस्थान सामान्य रूप से खुल गए। राजनीतिक दलों ने शांति बनाए रखने और आपसी सम्मान के लिए जनता से अपील की। गोर में सोमवार सुबह शांति रैली आयोजित की गई। बीते घटनाओं में कम से कम आठ लोग घायल हुए थे, जिनमें दो पुलिसकर्मी भी शामिल थे। बिरगंज महानगर क्षेत्र के श्रीपुर इलाके में भी पार्किंग विवाद के चलते कर्फ्यू लगाया गया था, जिसे सोमवार शाम 4:30 बजे हटाया गया। हालांकि, मंगलवार सुबह 8 बजे तक अतिरिक्त प्रतिबंध जारी रहेंगे।

पाकिस्तान : सोशल मीडिया पोस्ट के आरोप में कनाडाई नागरिक गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राष्ट्रीय साइबर क्राइम जांच एजेंसी (एनसीसीआईए) ने कनाडाई नागरिक हमजा अहमद खान को गिरफ्तार किया है, जो राज्य संस्थाओं और सुरक्षा बलों के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रहा था। खान, जो फरवरी 13 को पीएचडी शोध के लिए पाकिस्तान आए थे, को फरवरी 19 से लापता बताया जा रहा था। एनसीसीआईए ने अदालत में प्रस्तुत करते हुए उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा। एजेंसी के अनुसार, उनके सोशल मीडिया अकाउंट से गलत जानकारी और अशांति फैलाने वाले संदेश प्रसारित किए जा रहे थे, जिससे पाकिस्तान की आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचने का खतरा था।

बलूचिस्तान में बिगड़ते हालात, 82 लापता 12 नागरिकों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलोच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग ने आरोप लगाया गया है कि नए साल की शुरुआत बलूचिस्तान में लगातार गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के साथ हुई। जनवरी में जबरन गायब होने के 82 मामले व 12 हत्याएं दर्ज हुईं। बलूचिस्तान के अलग-अलग जिलों के साथ कराची, सिंध में भी जबरन गायब होने और सरकारी संरक्षण में हत्या की कई घटनाएं हुई। इससे सुरक्षा और मानवाधिकार का माहौल बिगड़ रहा है।

पाकिस्तान : अर्धसैनिक बल पर क्वाडकॉप्टर से हमले, 5 सैनिक घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अर्द्धसैनिक बल फेडरल कांस्टेबुलरी (एफसी) के मुख्यालय पर क्वाडकॉप्टर ड्रोन से किए गए हमले में एफसी के पांच जवान घायल हो गए। पुलिस ने कहा, करक जिले में स्थित एफसी मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला किया गया। इमारत पर हमला करने के लिए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। घायलों को अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस पर भी चरमपंथियों ने गोलियां चलाईं, जिसमें दो बचाव अधिकारी घायल हो गए।

नीदरलैंड : जेटेन के नेतृत्व वाली नई गठबंधन सरकार ने ली शपथ

एम्सटर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड के राजा विलेम एलेक्जेंडर ने रॉब जेटेन के नेतृत्व वाली नई अल्पमत गठबंधन सरकार को शपथ दिलाई। जेटेन (38) नीदरलैंड के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अल्पमत की वजह से उन्हें चार साल का कार्यकाल पूरा करने और विभिन्न विधेयकों को पारित कराने के लिए कई मोर्चों पर समझौता करना पड़ सकता है। जेटेन तीन दलों के गठबंधन का नेतृत्व करते हैं। गठबंधन में उनकी मध्यमार्गी डी-66 पार्टी, मध्य-दक्षिणपंथी व उदारवादी पार्टी शामिल हैं।

जाफना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के विस्तार की तैयारी में श्रीलंका

जाफना, एजेंसी। श्रीलंका सरकार जाफना अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तार की योजना बना रही है। ऐसा इसलिए ताकि विदेशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या को समायोजित किया जा सके और उत्तरी प्रांत में पर्यटन को बढ़ावा मिले। नागरिक उड्डयन मंत्री अनुर करुणाथिलका ने कहा कि पलाली स्थित हवाईअड्डे के रनवे को उन्नत कर बड़े यात्री विमानों की लैंडिंग संभव बनाई जाएगी। वर्तमान में यहां चेन्नई और त्रिची से प्रति सप्ताह 10 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं, जो 70 सीटों वाले एटीआर-72 विमान हैं।

मेक्सिको-ड्रग माफिया की मौत से 20 राज्यों में हिंसा: 25 सैनिकों समेत 32 मौतें

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो की मौत के बाद सोमवार को भी हिंसक प्रदर्शन हुए। ब्लूम्बर्ग के मुताबिक मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लॉक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई। जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुई हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल हैं। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और रॉकेट लॉन्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। दरअसल, मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए।

मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी।

गर्लफ्रेंड का पीछा कर मेंचो तक पहुंची थी सेना : ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी

20 बैंक फूंके, गर्लफ्रेंड से लोकेशन का पता चला

गतिविधियों पर नजर रखी गई। इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है।

इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत ऑपरेशन शुरू कर दिया और एक दिन बाद पूरे इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सेना की घेराबंदी के दौरान मेंचो के वफादार बंदूकधारियों ने सेना पर फायरिंग शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें मेंचो घायल हो गया। उसके साथी उसे लेकर पास के जंगल में भाग गए। काफी मशक्कत के बाद सैनिकों ने उसे खोज निकाला। घायल माफिया को हेलिकॉप्टर से मेडिकल सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने और उसके दो बॉडीगार्ड ने दम तोड़ दिया।

136 करोड़ रुपए का इनामी था मेंचो : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जालिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (छद्मनाम) का प्रमुख था। जालिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुईं मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था।

2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं। अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

एपस्टीन मामले में ब्रिटेन पुलिस की दूसरी कार्रवाई, पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। एपस्टीन मामले में ब्रिटिश शाही परिवार से जुड़ी पहली गिरफ्तारी के बाद ब्रिटेन पुलिस ने दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। ब्रिटेन की पुलिस ने एपस्टीन फाइल के खुलासों के बाद कदाचार के संदेह में अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन को गिरफ्तार किया है। ब्रिटिश पुलिस ने यह गिरफ्तारी दोषी यौन अपराधी एपस्टीन से उनके संबंधों के खुलासे के बाद की गई। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस फोर्स ने कहा कि 'अधिकारियों ने उत्तरी लंदन के एक पते से सार्वजनिक पद पर दुर्व्यवहार के संदेह में 72 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।' 72 वर्षीय मेंडेलसन को सितंबर 2025 में ब्रिटेन की राजनयिक सेवा में सबसे प्रतिष्ठित पद से बर्खास्त कर दिया गया था। इससे पहले उनसे जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी भी ली गई थी। ब्रिटिश पुलिस की प्रथा के अनुरूप मेंडेलसन का नाम नहीं लिया गया, लेकिन इस मामले में संदिग्ध की पहचान पहले ही मेंडेलसन के रूप में की जा चुकी है। पुलिस मैंडेलसन से उन दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ कर रही है, जिनसे पता चलता है कि उन्होंने डेढ़ दशक पहले एपस्टीन को संवेदनशील सरकारी जानकारी दी थी। उन पर यौन दुर्व्यवहार का कोई आरोप नहीं है।

संवेदनशील सरकारी जानकारी साझा करने का आरोप : रिपोर्ट्स के मुताबिक, जांच इस महीने तब शुरू हुई जब अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े अतिरिक्त दस्तावेज जारी किए। इन फाइलों में ऐसे ईमेल होने का दावा किया गया है, जिनसे संकेत मिलता है कि 2009 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान व्यापार मंत्री रहते हुए, मैंडेलसन ने एपस्टीन के साथ बाजार-संवेदनशील सरकारी जानकारी साझा की थी। उस समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन थे। मैंडेलसन यूरोपीय आयोग में आयुक्त रह चुके हैं और बाद में अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत नियुक्त हुए। प्रधानमंत्री कीर स्टामर ने उन्हें दिसंबर 2024 में इस पद पर नियुक्त किया था, हालांकि उन पर एपस्टीन से संपर्क बनाए रखने के आरोप पहले से लग रहे थे। सितंबर 2025 में स्टारमर ने उन्हें पद से हटा दिया था। हाल ही में प्रधानमंत्री ने एपस्टीन के पीड़ितों से सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी और कहा कि उन्होंने मैंडेलसन पर भरोसा कर उन्हें नियुक्त करने में गलती की।

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या करीब 15 साल पहले मैंडेलसन ने संवेदनशील सरकारी सूचनाएं एपस्टीन को दी थीं। जांच जारी है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब एपस्टीन से जुड़े एक अन्य मामले में एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था।

कैरेबियाई सागर में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई: संदिग्ध ड्रग नाव पर हमला, तीन की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरेबियाई सागर में अमेरिकी सेना ने सोमवार को एक कथित ड्रग तस्करी वाली नाव पर हमला किया। इस कार्रवाई में तीन लोगों की मौत हुई। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि यह हमला मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। ट्रंप प्रशासन ने सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया था। तब से अब तक ऐसी कार्रवाइयों में कम से कम 151 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिकी सेना का कहना है कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई थी कि नाव कैरेबियाई क्षेत्र में तस्करी के रास्ते पर चल रही थी। सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें एक छोटे इंजन वाली नाव को नष्ट होते दिखाया गया। हालांकि यह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया गया कि नाव में वास्तव में ड्रग्स थे या नहीं। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी कार्टेल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। उनके अनुसार यह कार्रवाई अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति रोकने के लिए जरूरी है। ट्रंप प्रशासन ऐसे समूहों को 'नार्को-आतंकी' कहता है और सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराता है। इन हमलों की कानूनी स्थिति पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में इस तरह की सैन्य कार्रवाई की वैधता स्पष्ट नहीं है।

पहले भी खुलासा हुआ था कि शुरुआती हमले के बाद बचे लोगों को दोबारा निशाना बनाया गया। इस पर डेमोक्रेटिक नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में फैली फेंटेनिल संकट की जड़ें मुख्य रूप से मैक्सिको से आने वाली तस्करी में हैं। यह ड्रग रसायनों के जरिए तैयार होती है, जिनमें कुछ सामग्री चीन और भारत से आती है। आलोचकों का तर्क है कि समुद्र में छोटी नावों पर हमले समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। सितंबर से अब तक 40 से अधिक हमलों में 151 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। प्रशासन इसे सुरक्षा की जरूरत बता रहा है, जबकि विरोधी दल इसे मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय कानून का मुद्दा बना रहे हैं।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द; कई राज्यों में आपातकाल घोषित

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरपूर्वी हिस्से में एक शक्तिशाली बर्फीले तूफान ने कहर बरपाया है। मैरीलैंड से लेकर मेन तक के इलाके भारी बर्फ की चादर में ढक गए हैं। इस भीषण मौसम के कारण शनिवार से मंगलवार के बीच 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अकेले सोमवार को 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और मंगलवार के लिए 1,300 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई हैं, जिससे हजारों यात्री फंस गए हैं। न्यूयॉर्क के जेएफके, लागुआर्डिया और बोस्टन के लोगान एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

मौसम वैज्ञानिकों ने इसे एक दशक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया है, जिसे 'बम चक्रवात' कहा जा रहा है। 'बम चक्रवात तब होता है जब 24 घंटे की अवधि में तूफान का दबाव एक निश्चित मात्रा

में गिर जाता है। यह मुख्य रूप से शरद ऋतु और सर्दियों में होता है जब आर्कटिक की बर्फीली हवा दक्षिण तक पहुंचकर गर्म तापमान से टकराती है।' कई इलाकों में दो फीट (60 सेंटीमीटर) से ज्यादा बर्फबारी हुई है। रोड आइलैंड के वारविक में तो तीन फीट से ज्यादा बर्फ गिरी है। तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स समेत कई राज्यों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। तूफान का असर इतना ज्यादा है कि संयुक्त राष्ट्र को अपनी सुरक्षा परिषद की बैठक स्थगित करनी पड़ी और मुख्यालय बंद करना पड़ा। न्यूयॉर्क शहर में छह साल में पहली बार बर्फबारी के कारण स्कूल बंद किए गए। हालांकि, मेयर जोहरान ममदानी ने मंगलवार से स्कूल खोलने की बात कही है, जिसका कुछ अधिकारियों ने विरोध किया है। परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रेल और बस सेवाएं निलंबित हैं। सड़कों पर फिसलन और कम दृश्यता के कारण यात्रा करना बेहद खतरनाक हो गया है। प्रशासन ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। डोरडैश जैसी डिलीवरी सेवाओं ने भी अपना काम रोक दिया है।

तूफान के कारण बिजली व्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ा है। पावरआउटेज डॉट यूएस के मुताबिक, पूर्वी तट पर 5,70,000 से ज्यादा घरों और व्यवसायों की बिजली गुल हो गई है। मैसाचुसेट्स और न्यू जर्सी में स्थिति सबसे खराब है। तेज हवाओं के कारण बिजली बहाल करने में कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, कुछ लोग इस मौसम का आनंद भी ले रहे हैं। टाइम्स स्क्वायर पर पर्यटक नाचते हुए दिखे, तो कुछ लोग स्लेजिंग का मजा लेते नजर आए। लेकिन मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है।

'रूस अपने भविष्य, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा', यूक्रेन युद्ध की पांचवीं बरसी से पहले बोले पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि रूस अपने भविष्य, स्वतंत्रता और सच्चाई एवं न्याय के लिए लड़ रहा है, क्योंकि यूक्रेन में युद्ध मंगलवार को पांचवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। रूस ने 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन के खिलाफ एक सैन्य अभियान शुरू किया था। इस साल उसे कुछ बड़े झटके लगे हैं, जिनमें पिछले सप्ताह वोटकिंस्क में उसके मिसाइल कारखाने पर हुआ भीषण हमला भी शामिल है। राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी संघ के हीरो के गोल्ड स्टार पुरस्कार से सम्मानित किए जाने से पहले सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, 'रूस अपने भविष्य, स्वतंत्रता, सत्य और न्याय के लिए लड़ रहा है।' उन्होंने कहा कि इस संघर्ष में सबसे आगे मजबूत, साहसी और निस्वार्थ लोग हैं: सशस्त्र बलों के सैनिक और अधिकारी, नेशनल गार्ड के सदस्य, आंतरिक मामलों के मंत्रालय के कर्मी, विशेष सेवाएं और इकाइयां।'

पितृभूमि रक्षक दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए पुतिन : आधुनिक रूस में 23 फरवरी को परंपरागत रूप से सोवियत सेना और नौसेना दिवस की निरंतरता के रूप में पितृभूमि रक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले पितृभूमि रक्षक दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा था कि 23 फरवरी को देश में कई दशकों से सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय छुट्टियों में से एक के रूप में मनाया जाता रहा है। पुतिन ने कहा, 'रूसी सैनिकों की वर्तमान पीढ़ी अपने पूर्वजों द्वारा विरासत में मिली वीरता और सम्मान की परंपराओं को आगे बढ़ा रही है। आज एक विशेष सैन्य अभियान के दौरान हमारे विशाल देश के सभी लोगों के प्रतिनिधि कंधे से कंधा मिलाकर वीरतापूर्वक रूस के हितों की रक्षा कर रहे हैं।'

परमाणु शक्ति बढ़ाने को लेकर पुतिन ने कह दी बड़ी बात : उन्होंने सशस्त्र बलों के सदस्यों को आश्वासन दिया कि क्रेमलिन बदलती अंतरराष्ट्रीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए विशेष सैन्य अभियान के दौरान प्राप्त युद्ध अनुभव का लाभ उठाते हुए और रूसी उद्योग, विज्ञान और औद्योगिक एवं उच्च-तकनीकी कंपनियों की शक्तिशाली ताकतों पर भरोसा करते हुए, सेना और नौसेना को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने घोषणा की, 'परमाणु शक्ति का विकास, जो रूस की सुरक्षा की गारंटी के रूप में कार्य करता है और विश्व में रणनीतिक प्रतिरोध और शक्ति संतुलन को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करता है, एक निर्विवाद प्राथमिकता बनी हुई है और सशस्त्र बलों के लिए उन्नत प्रणालियों के विकास में तेजी लाने का संकल्प लिया।' सरकारी टीवी चैनल रॉसिया-24 ने बताया कि सोवियत रेड आर्मी और नौसेना दिवस के विपरीत, पितृभूमि रक्षक दिवस इतिहास के सभी रक्षकों का सम्मान करता है, जिसमें नेपोलियन युद्ध और नाजी जर्मनी की आक्रामकता भी शामिल है।

ट्रंप की बढ़ेगी परेशानी, टैरिफ से वसूली गई रकम वापस करने की मांग को लेकर डेमोक्रेट्स ने खोला मोर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप सरकार के टैरिफ को अवैध बताने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने अभी तक जो 175 अरब डॉलर टैरिफ से वसूले हैं, उन्हें क्या वापस किया जाएगा? अब विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस टैरिफ को वापस करने की मांग को लेकर ट्रंप सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीनेट के तीन डेमोक्रेट सांसदों ने सरकार से लगभग 175 अरब अमेरिकी डॉलर की टैरिफ आय वापस करने की मांग की है।

प्रस्ताव में क्या है : ओरेगन के सीनेटर रॉन वाइडन, मैसाचुसेट्स के एड मार्की और न्यू हैम्पशायर की जीन शहीन ने सोमवार को एक विधेयक पेश किया। इस विधेयक के तहत अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन को 180 दिनों के भीतर रिफंड जारी करना होगा और लौटाई जाने वाली राशि पर ब्याज भी देना होगा। प्रस्ताव में छोटे व्यवसायों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है और आयातकों, थोक विक्रेताओं तथा बड़ी कंपनियों से अपील की गई है कि वे यह राशि अपने ग्राहकों तक पहुंचाएं।

वाइडन ने कहा, 'ट्रंप के अवैध टैरिफ ने अमेरिकी परिवारों, छोटे व्यवसायों और उत्पादकों को गहरी क्षति पहुंचाई है, जो नए-नए टैरिफ की मार झेलते रहे हैं।' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समस्या के समाधान की सबसे पहली कड़ी यह है कि जितनी जल्दी हो सके छोटे व्यवसायों और निर्माताओं की जेब में पैसा वापस डाला जाए। हालांकि इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम है, लेकिन इससे यह

संकेत मिलता है कि डेमोक्रेट्स अब ट्रंप प्रशासन पर सार्वजनिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन टैरिफ राजस्व लौटाने में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। आगामी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले डेमोक्रेट्स जनता से कह रहे हैं कि ट्रंप ने अवैध रूप से कर बढ़ाए और अब अमेरिकी लोगों को वह पैसा लौटाने से इनकार कर रहे हैं। शहीन ने कहा कि टैरिफ के कारण बढ़ी कीमतों से हुए नुकसान की भरपाई की शुरुआत राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अवैध रूप से वसूले गए टैरिफ करों की वापसी से होनी चाहिए। वहीं मार्की ने कहा कि छोटे व्यवसायों के पास बहुत कम या कोई संसाधन नहीं होते और रिफंड की प्रक्रिया उनके लिए बेहद जटिल और समय लेने वाली हो सकती है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा- उनके हाथ बंधे हुए हैं : ट्रंप प्रशासन का कहना है कि उसके हाथ बंधे हुए हैं, क्योंकि किसी भी रिफंड का फैसला आगे की अदालती कार्यवाही के जरिए ही होना चाहिए। जब व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई से पूछा गया कि क्या ट्रंप मानते हैं कि कांग्रेस को रिफंड प्रक्रिया में भूमिका निभानी चाहिए।

बांग्लादेश: रमजान पर कैरम-टीवी बैन, पुलिस का अजीबोगरीब फरमान; शीर्ष अधिकारियों ने झाड़ा पल्ला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कुश्तिया सदर उप जिला में एक पुलिस अधिकारी ने रमजान के दौरान एक चाय की दुकान के मालिक को कैरम खेलना बंद करने और टेलीविजन देखने का आदेश दिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के किसी भी निर्देश के अभाव के बावजूद ये आदेश जारी किया गया।

यह घटना पाटिकबारी बाजार इलाके में कुश्तिया-3 जमात-ए-इस्लामी के सांसद आमिर हमजा के दौरे के दौरान हुई। सांसद के साथ इस्लामिक यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पाटिकबारी पुलिस कैंप के प्रभारी मोशिउल आजम भी थे।

पुलिस अधिकारी ने दिए आदेश : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में मोशिउल आजम को चाय की दुकान के मालिक की ओर गुस्से से उंगली उठाते हुए देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो 20 फरवरी की रात का बताया जा रहा है। वीडियो में यह कहते हुए दिखाया गया है, 'रमजान के दौरान न कैरम, न टीवी - यह आखिरी फैसला है।' बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार ने पुलिस अधिकारी के हवाले से यह बात कही, 'वे वहां कैरम खेल रहे हैं। क्या मैंने इसे बंद नहीं कराया था? यह अभी भी क्यों चल रहा है? क्या मैं तुम्हारी पिटाई करवा दूं? क्या मैंने कुछ दिन पहले बाजार समिति को फोन करके यह नहीं कहा था कि तरावीह के दौरान एक महीने तक न कैरम चलेगा, न टीवी? यह अभी भी क्यों चल रहा है।

साथ में खड़े थे सांसद आमिर हमजा : उस समय, पुलिस अधिकारी के बगल में खड़े सांसद आमिर हमजा ने अपेक्षाकृत शांत स्वर में कहा, 'यह रमजान का महीना है, इबादत का महीना। आप जो भी करें, कम से कम नमाज के समय ये काम न करें।' रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगली रात, 21 फरवरी को चाय की दुकान समेत

बाजार की ज्यादातर दुकानें बंद थीं। कुछ प्रतिष्ठान आधे शटर खुले रखकर खुले थे, क्योंकि अंदर काम जारी था।

बाजार में रमजान के स्वामित्व वाली एक और चाय की दुकान खुली रही। टेलीविजन चालू था, लेकिन कैरम का कोई खेल नहीं खेला जा रहा था। टेलीविजन देखने के संबंध में पुलिस की चेतावनी के बारे में पूछे जाने पर रमजान ने अपना सिर झुका लिया और कहा, 'यहां केवल कुछ ही लोग बैठते हैं। वे बस थोड़ी देर के लिए टीवी देखते हैं।'

आदेश पर क्या बोले स्थानीय लोग : उस समय स्टॉल पर पहुंचे पाटिकबारी यूनियन के वार्ड परिषद सदस्य काशेम ने कहा कि अचानक सब कुछ बंद करना उचित नहीं है, क्योंकि युवाओं को कुछ मनोरंजन की आवश्यकता होती है। हालांकि, डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी मसूद राणा ने कहा कि अधीनस्थों को ऐसे कोई निर्देश नहीं दिए गए थे। कुश्तिया के पुलिस अधीक्षक जसीम उद्दीन ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह घटना किसी आधिकारिक पुलिस आदेश से जुड़ी नहीं है। उन्होंने कहा, 'रमजान के दौरान चाय की दुकानें खुली रहनी चाहिए या नहीं, यह कानून का मामला नहीं है। यह लोगों की भावनाओं का मामला है कि वे इसका पालन करते हैं या नहीं। हम इसके लिए किसी को दंडित नहीं कर सकते।

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी।

दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं।

ऑफ स्पिनरों के सामने अभिषेक रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे भी भारतीय टीम को भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह केवल 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। ऐसे में उनकी जगह पर इस मैच में संजू सैमसन को उतारने की मांग हो रही है।

वहीं तिलक को भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। अब तक केवल ईशान ने ही 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने अब तक अच्छा खेला है और निचले क्रम पर इन दोनो से आगे भी बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीदें हैं। बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग कर इनपर अंकुश

लगाने का प्रयास किया है जिसमें वे सफल भी हुई हैं। इस मैच में ऑफ स्पिनरों की रणनीति को विफल करने के लिए संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। उनके आने से दाये और बाएं हाथ की सलामी जोड़ी बेहतर रहेगी। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस को हालांकि कम नहीं आंका जा सकता है। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह से और बेहतर गेंदबाज की उम्मीद करनी होगी। पिछले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर गिरा दिये थे पर बीच के दौर में कमजोर गेंदबाजी के कारण अफ्रीकी टीम 187 रन बनाने में सफल रही। जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गयी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।

शास्त्री ने कहा, 'आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें अक्षर को वापस लाना चाहिए। आपको उनका अनुभव चाहिए। मैं कहूंगा कि दोनों को खिलाएं। स्वयं को एक अतिरिक्त विकल्प दें। किसी भी दिन एक गेंदबाज का खराब दिन हो सकता है, जैसे रविवार को वरुण चक्रवर्ती का हुआ था। वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे और इसका नुकसान टीम को हुआ।' 'अगर अक्षर पटेल खेल रहे हैं, तो वह नंबर 8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।'

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पांच में पहुंचे ईशान और फरहान

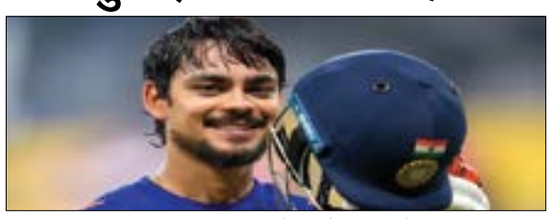

-गेंदबाजी में बॉश और फोर्ड ने लंबी छलांग लगायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम के बल्लेबाज ईशान किशन लंबी छलांग लगाकर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ईशान को टी20 विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं भारतीय टीम के अभिषेक शर्मा हाल में खराब प्रदर्शन के बाद भी नंबर एक पर बरकरार हैं हालांकि उनकी रेटिंग 891 से घटकर 877 रह गई है। वहीं टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भी दो पायदान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 815 रेटिंग्स के साथ दूसरे और साहिबजादा फरहान 810 रेटिंग्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईशान 742 रेटिंग्स के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ आक्रामक पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं। ब्रेविस ने 10 पायदान की लंबी छलांग लगाये है जिससे वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक 10 पायदान की छलांग लगाकर 18वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी छलांग लगाकर 8वें नंबर पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश 21 पायदान की लंबी छलांग लगाकर तीसरे नंबर जबकि वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड 23 पायदान की छलांग लगाकर 7वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

टी20 विश्वकप: इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, बचे हुए तीन स्थानों के लिए सात टीमों में मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान : इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारत: भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका : मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों। ऐसे में श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

न्यूजीलैंड: न्यूजीलैंड का सुपर-8 में अगले दो मैच श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने है। अगर न्यूजीलैंड इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है तो उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। कीवी टीम का पहला मुकाबला पाक से था जो बारिश के कारण नहीं हुआ था। जिससे उसके पास अभी एक अंक है।।

दक्षिण अफ्रीका : भारत से पहला मैच जीतकर उसके दो अंक हैं और नेट रनरेट भी काफी अच्छा है। ऐसे हराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बचे हुए दोनो ही मैच वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से जीतती है तो आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है पर एक भी मैच हारने पर फैसला नेट रन रेट से होगा।

वेस्टइंडीज: वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे से पहला मैच जीत लिया है। अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वेस्टइंडीज एक मैच हारती है तो फैसला नेट रन रेट से होगा।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा की टीम भी अभी तक पूरी तरह से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उनके बचे दो कठिन मुकाबले भारत और दक्षिण अफ्रीका से है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पहले ये दोनों मैच जीतने होंगे, फिर नेट रन रेट के आधार पर उन्हें नॉकआउट में प्रवेश मिलेगा।

इटली में महिला क्रिकेटर के यौन शोषण का मामला सामने आया, आरोपी अधिकारी निलंबित

रोम । इटली में एक महिला क्रिकेटर के यौन शोषण के आरोपों के बाद क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला क्रिकेटर के आरोपों के बाद ऑर्डिनेटर प्रबाथ एकनेलिगोडा को क्रिकेट फेडरेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले की जांच फेडरल प्रॉसिक्यूटर करेगा। यौन शोषण का ये मामला पिछले साल का बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ने कहा, साल 2025 के दौरान फेडरेशन की अध्यक्ष ने एथलीट्स और इससे जुड़े दूसरे पक्षों की पूर्ण सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आरोपी अधिकारी को हर तरह की फेडरल से बाहर किये जाने का आदेश दिया है।बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि हालातों का पूरी तरह से आंकलन अभी नहीं किया गया है। निलंबन का फैसला इसलि लिया गया है जिससे गैरजरुरी अटकलों पर रोक लगे और खेल का वातावरण साफ बना रहे। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी के वकील ने कहा है कि उसके खिलाफ साजिश हुई है।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं : एनगिडी

मुम्बई । दक्षिण अफीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हें मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो से धीमी गेंद की बारीकियां सीखी और तब से उनकी गेंदबाजी भी बदल गयी। इसी कारण वह इस बार विश्वकप में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।एनगिडी के अनुसार जब वह पहली बार आईपीएल खेलने के लिए उतरे तो उस सत्र में उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले थे पर नेट्स में समय बिताने से उनकी गेंदबाजी निखर गयी। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने धीमी गेंद, यॉर्कर, बैक ऑफ लेंथ स्लोअर डिलीवरी और धीमी बाउंसर पर लगातार काम किया। उन्होंने कहा कि एक ही एक्शन से अलग-अलग लेंथ और गति से गेंदबाजी आसान नहीं होती पर अभ्यास से से उनके लिए आसन हुआ है। बल्लेबाज के लिए अगली गेंद का अंदाजा लगाना कठिन बनाना ही उनका लक्ष्य रहता है। स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने इस कौशल को बेहतर बनाने पर काम किया है। इसी कारण वह टी20 प्रारूप में अधिक प्रभावी गेंदबाज बन पाये हैं। एनगिडी ने भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबल में भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 15 रन देकर भारतीय टीम पर दबाव बना था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनकी गेंदों की दिशा और गति समझने में परेशानी हुई। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऑफ-कटर की जगह लेग कटर का इस्तेमाल किया, ताकि बल्लेबाज की तैयारी का अंदाजा लगाते हुए उसे हैरान किया जा सके। एनगिडी का मानना है कि आमतौर पर विरोध टीमों का ध्यान उनपर नहीं रहता जिसका लाभ भ उन्हें मिला है

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

-बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है साक्षी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं।

वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव तेजी से बनता है, ऐसे में समय पर फैसला लेना भी जरुरी है। भारतीय टीम को पहले क्वालिफायर में 8 मार्च को तेलंगाना के हैदराबाद में उरुग्वे से खेलना है। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स का सामना करेगी।

बाबर आजम विश्वकप में सबसे धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बने

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 24 गेंदों पर 25 रनों रन ही बनाये। इस दौरान बाबर केवल दो चौके ही लगा पाये और उनका स्ट्राइक रेट 104.17 का था। इसके साथ ही उनके नाम सबसे धीमी बल्लेबाजी का अनचाह रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर ने इतनी धीमी बल्लेबाजी की है। विश्वकप में अगर धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची पर नजर डालें तो उनमें सबसे खराब स्ट्राइक रेट बाबर का ही है। शीर्ष-5 बल्लेबाजों की इस सूची में दो और पाकिस्तानी भी मौजूद हैं। बाबर ने साल 2021 में इस टूर्नामेंट में डेब्यू किया था। तब से लेकर वह अभी तक 23 पारियां में उन्होंने 640 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट मात्र 111.5 का रहा है, जो कम से कम टी20 वर्ल्ड कप में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबस कम है। बाबर आजम ने इस सूची मे अपने ही देश के मोहम्मद हफीज को ही पीछे छोड़ दिया है। हफीज का टी20 वर्ल्ड कप में स्ट्राइक रेट 111.8 का था। सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 112.2 - जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने 112.5 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफीकी टीम : सीएसए

प्रिटोरिया । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ समाप्त होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, हम इन तीनों टीमों के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इससे हमारी टीम और बेहतर होकर उभरेगी।

पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं सलामी बल्लेबाज : अभिषेक नायर

मुम्बई । भारतीय के पूर्व सहायक कोच रहे अभिषेक नायर ने कहा है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप में अब तक टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अभिषेक के अनुसार सुपर 8 स्तर में सलामी जोड़ी संघर्ष करती दिखी है। वहीं पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। अब तक केवल ईशान किशन ही रन बनाने में सफल रहे हैं। ईशान ने 5 मैचों में 35.20 के औसत से 176 रन बनाए हैं। वहीं बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक असफल रहे हैं। वह चार मैचों में से तीन में खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं चौथे मैच में उन्होंने 15 रन बनाए हैं। नायर ने कहा कि शीर्ष क्रम अभी तक सहज होकर नहीं खेल पा रहा। नई गेंद से ऑफ-स्पिनर विविधता ला रहे हैं जिससेस भी बल्लेबाजों के लिए पावरप्ले के ओवरों में शॉट लगाना कठिन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज भी पारी की शुरुआत में रोस्टन चेस से गेंदबाजी करा सकती है। ऐसे में भारतीय सलामी बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारतीय टीम को अब टूर्नामेंट में बने रहने के लिए बचे हुए दो सुपर-8 मैच बड़ अंतर से जीतने होंगे। भारतीय टीम को अब अगले मैच में जिम्बाब्वे और फिर वेस्टइंडीज से खेलना है।

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की फ्लॉप बैटिंग पर कोच सितांशु कोटक का बयान, 'हमें पॉजिटिव रहना होगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले करो या मरो के मुकाबले से पहले टीम इंडिया से सकारात्मक रहने और बेहतर क्रिकेट खेलने का आग्रह किया है। टीम इंडिया को सुपर आठ चरण के पहले मैच में 76 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिससे मौजूदा चैंपियन टीम मुश्किल दौर में आ गई है।

टीम इंडिया को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे और साथ ही यह भी उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ चरण में अपराजित रहे। भारत के बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं, उनका औसत मात्र 20 है, जो सुपर आठ में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे कम है। टीम ने 11 बार शून्य पर आउट होकर बल्लेबाजी की है, जो बल्लेबाजी में शुरुआती अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की कठिनाई को उजागर करता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों और इससे निपटने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, कोटक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सभी द्विपक्षीय मैचों को देखें तो बल्लेबाजी वाकई अच्छी चल रही थी। मुझे लगता है कि इस विश्व कप में भी, पिछला मैच थोड़ा चिंताजनक था क्योंकि लगभग डेढ़ साल में, हमने सिर्फ दो बार ही 150 से कम रन बनाए हैं। इसलिए मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि कोई कितनी बार असफल हुआ या कैसे, क्योंकि फिर हम उनकी बल्लेबाजी पर दबाव डालना शुरू कर देते हैं। लेकिन पिछले मैच को भी मुझे लगता है कि हमें सहजता से लेना चाहिए कि यह पिछले दो सालों में हमारा सबसे खराब मैच था, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो हमें इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। विश्व कप में, खासकर हमारे सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा जितना हम चाहते थे। कोटक ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि टीम का हालिया प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा है, लेकिन व्यक्तिगत असफलताओं पर अत्यधिक ध्यान देने से अनावश्यक दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने तैयारी और रणनीतिक योजना के महत्व पर जोर दिया, साथ ही विपक्षी गेंदबाजी रणनीतियों का विश्लेषण करने की बात कही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीम शेष मैचों में प्रभावी ढंग से अनुकूलन और प्रतिक्रिया कर सके।

असली आज़ादी

महिलाओं से ऑर्डर लेने में पुरुषों को होती है दिक्कत

अभिनेता बरुण सोबती हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आए हैं। सीरीज में उनके काम को काफी पसंद किया गया है। अब अभिनेता ने इंडस्ट्री में महिलाओं को लेकर बन रही फिल्मों और काम पर बात की। साथ ही उन्होंने महिलाओं के अधिकार को लेकर पुरुषों की इनसिक्योरिटी को लेकर बात करते हुए इसे एक आम समस्या बताया है। बरुण ने 'कोहरा 2' को लेकर कहा कि सीरीज में दिखाया गया शक्ति समीकरण प्रोफेशनल जीवन में लोगों की असल सोच को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस परिवार में पले-बढ़े हैं। लेकिन हां, यह एक आम धारणा है और हम इसे नकार नहीं सकते। स्पष्ट है कि पुरुषों को मजबूत महिलाओं से परेशानी होती है। उनसे आदेश लेना आज भी एक बड़ी बात है। यहां तक कि जब कोई महिला किसी बहस में अपनी बात मजबूती से रखती है, तो मैंने पुरुषों को असहज होते देखा है। मैं सभी पुरुषों की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा ही होता है। अपने करियर में ओटीटी की महत्वा पर बात करते हुए एक्टर ने कहा कि ओटीटी शो के सफल होने के बाद चीजें बदल गईं। इसकी शुरुआत 'असुर' से हुई। वह लोकप्रिय था, लेकिन 'कोहरा' के साथ बात बदल गई। कुछ शो आम लोग देखते हैं और कुछ शो सिर्फ इंडस्ट्री के लोग देखते हैं। 'कोहरा' को इंडस्ट्री के लोग देखते थे और तभी से मुझे ज्यादा काम मिलने लगा। स्ट्रीमिंग कंटेंट ने कई अभिनेताओं के लिए अवसर पैदा किए हैं। कोहरा ने मुझे एक नई पहचान दिलाई है। बरुण सोबती 'कोहरा' के पहले सीजन में भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनका किरदार दूसरे सीजन में भी उतना ही प्रमुख है। इस बार वो मोना सिंह के साथ प्रमुख भूमिका में हैं। सीरीज में दिखाया गया है कि मोना सिंह के किरदार से ऑर्डर लेने में उन्हें असहजता महसूस होती है, क्योंकि एक महिला उनकी बॉस है। 'कोहरा' के अलावा बरुण 'असुर' के दोनों सीजन में भी अहम भूमिका में नजर आए हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड करियर को लेकर किए खुलासे

बताई 'द ब्लफ' से जुड़ी बातें

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड सिनेमा पर भी राज कर रही हैं। प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को रिलीज हो रही है। हाल ही में प्रियंका ने अपनी फिल्म 'द ब्लफ' के अलावा अपने हॉलीवुड करियर को लेकर कई खुलासे किए हैं। साथ ही प्रियंका ने यह भी बताया कि उनके लिए 'द ब्लफ' क्यों खास है?

प्रियंका का हॉलीवुड करियर

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने हॉलीवुड करियर में अपनी उन्नति के बारे में कहा, 'मुझे अभी भी ऐसा नहीं लगता कि मैं सफलता के सबसे ऊपर पहुंच गई हूं, लेकिन मुझे अपनी काबिलियत पर पूरा भरोसा है।'

खुद पर भरोसा करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे कहा, 'जब मैं पहली बार हॉलीवुड आई थी, तब से मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं महसूस किया। भले ही लोग मुझे जानते नहीं थे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मुझे पता था कि मैं क्या कर सकती हूं और मेरी क्या कीमत है। मेरा आत्मविश्वास कभी कम नहीं हुआ। हो सकता है मुझे कम मौके मिले हों या कम कामयाबी मिली हो, लेकिन मुझे अपने टैलेंट और मेहनत करने की ताकत पर हमेशा भरोसा रहा।'

किसकी तरह बनना चाहती हैं प्रियंका

प्रियंका ने कहा, 'मैं बहुत मेहनत करने वाली हूं। किसी भी रोल या किरदार को अच्छे से निभाने के लिए मैं बहुत समय और मेहनत लगाती हूं। लेकिन ये सोचना कि मैं सफलता की मंजिल पर पहुंच गई हूं? ऐसा कभी नहीं हुआ। मुझे आज भी लगता है कि मैं अभी वहां नहीं पहुंची। बहुत से शानदार लोग हैं, जिन्होंने कमाल का काम किया है और मैं भी उनके जैसा बनना चाहती हूं।'

कैसी फिल्में करना पसंद करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे बताया कि उन्हें कैसी फिल्में करना पसंद हैं। प्रियंका ने कहा, 'मुझे अलग-अलग तरह की कहानियां और जॉनर आजमाना बहुत पसंद है, इसलिए फिल्म 'द ब्लफ' को करके मुझे बहुत खुशी हुई।' फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

'द ब्लफ' के बारे में

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी नई फिल्म 'द ब्लफ' के बारे में कहा, ''द ब्लफ' मेरी फिल्मों में एक नया बदलाव लाने वाली फिल्म है। मुझे लगता है कि यह मेरी फिल्मोग्राफी में, खासकर अंग्रेजी फिल्मों में, विविधता लाने की दिशा में एक अच्छा कदम है। यह फिल्म संस्कृति और इतिहास की गहराई को छूती है, लेकिन साथ ही यह एक मजेदार, भावुक और रोमांचक समुद्री डाकू फिल्म भी है। इसमें ढेर सारा ड्रामा, एक्शन और भावनाएं हैं।'

कब रिलीज होगी 'द ब्लफ'

'द ब्लफ' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया है। इसकी पटकथा फ्लावर्स और जो बॉलारिनी ने मिलकर लिखी है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और टेमुएरा मॉरिसन ने अभिनय किया है। फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है

साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रेजिना कैसेंड्रा ने साल 2019 में फिल्म 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। मूल रूप से तेलुगू और तमिल फिल्मों में काम करने वाली रेजिना इसके बाद 'जाट', 'केसरी चैप्टर 2' जैसी फिल्मों, ओटीटी पर 'राकेट बॉयज' और 'फर्जी' जैसी हिंदी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। बीते साल अजित कुमार की फिल्म 'विदामुयार्ची' में नजर आ चुकीं रेजिना कैसेंड्रा ने इंटरव्यू में कहा, 'मैं एक साउथ इंडियन एक्ट्रेस थी। ज्यादातर साउथ इंडियंस की तुलना में, मेरी हिंदी बहुत बेहतर है। मैं हिंदी पढ़, लिख और बोल सकती हूं, और मैंने अब तक इस भाषा में जो भी काम किया है, वह मेरी अपनी आवाज में है। यह मेरी अपनी हिंदी है, और मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि मैं उस रोल पर खरी उतरूं जो मुझे दिया गया है। लेकिन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मुझे घर जैसा महसूस होने में समय लगा।'

रेजिना कैसेंड्रा आगे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कहती हैं, 'बहुत से लोगों ने मेरे साथ बुरा बर्ताव किया। सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपने काम से भी। यह मेरे लिए एक तरह का बुरा नजरिया है। मेरा मतलब है, कोई भी बता सकता था कि मुझे एक खास तरह से नीचा दिखाया जा रहा था। मैंने यह महसूस किया। इसलिए नॉर्थ में मुझे कुछ हिचकिचाहट थी। लेकिन, हमेशा ऐसा नहीं होता, है ना?'

जब रेजिना कैसेंड्रा से पूछा गया कि इस तरह के हालात में भी उन्होंने 'केसरी चैप्टर 2', 'रॉकेट बॉयज', 'फर्जी' और 'जाट' जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम किए हैं, तो वह बताती हैं, 'जब मैं लोगों के आस-पास होती हूं, तो मुझे लगता है कि वे मेरा वह पहलू देखते हैं, जिसमें मैं लगातार सीखती हूं। मैं जिस भी इंडस्ट्री में हूं, मैं किसी न किसी तरह उसे घर जैसा महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि इस इंडस्ट्री में एक महिला होने के नाते, हमारे लिए स्टीरियोटाइप होना बहुत आसान है। मेरा मतलब है, यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि आखिर में यह एक विजुअल मीडियम है, और एक बार जब आप कुछ देखते हैं, तो वह आपके दिमाग में बैठ जाता है। लेकिन मैं हमेशा वर्सेटाइल बनना चाहती थी। इसलिए, मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है, क्योंकि मैं हमेशा मेनस्ट्रीम कमर्शियल फिल्में नहीं करना चाहती।'

विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी मालविका मोहनन

तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा ने अपनी आगामी फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' रखा है। हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' का पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंस में पोस्टर का रंग लाल है, जिसकी वजह से यह पोस्टर और ज्यादा इंटेंस लग रहा है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने इस फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में भी अहम जानकारी दी है। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी के अलावा किशोर भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। प्रोडक्शन कंपनी टायलर डर्डन एंड किंग फिस्ट ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी किया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि सोमवार से शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'त्यागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग शुरू।' 'पॉकेट नॉवेल' का संगीत इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नीरव शाह के कंधों पर है। इस फिल्म की कहानी और पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। वहीं इस फिल्म के गाने युग भारती ने लिखें हैं। विजय की इस फिल्म की घोषणा से फैंस और सिनेमा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

'जय हनुमान' में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे राणा दग्गुबाती

प्रशांत वर्मा के डायरेक्शन में बन रही 'जय हनुमान' फिल्म को लेकर एक दिलचस्प खबर आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऋषभ शेट्टी स्टारर इस फिल्म में राणा दग्गुबाती को कास्ट किया गया है।

ऋषभ शेट्टी ने बीते साल 'कांतारा चैप्टर 1' से बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई। मूल रूप से कन्नड़ में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 852.36 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। अब ऋषभ शेट्टी अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जय हनुमान' की तैयारी में जुटे हुए हैं। बीते दिनों इसका फर्स्ट पोस्टर रिलीज हुआ, तो ऋषभ शेट्टी को बजरंग बली के अवतार में देखकर फैंस की बांछे खिल गई थीं। अब ताजा जानकारी ये आ रही है कि इस फिल्म में राणा दग्गुबाती की एंट्री हुई है! जी हां, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'बाहुबली' के भल्लालदेव अब 'जय हनुमान' में एक अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। ऋषभ शेट्टी की 'जय हनुमान' साल 2024 की पौराणिक एक्शन ड्रामा ब्लॉकबस्टर 'हनु-मान' का सीक्वल है। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा दग्गुबाती को इस सीक्वल में एक अहम रोल के लिए अप्रचो किया गया है। बातचीत आखिरी दौर में है। यदि सब कुछ ठीक रहा, तो राणा इसी साल मार्च या अप्रैल 2026 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे।

'जय हनुमान' को मैथरी मूवी मेकर्स, टी-सीरीज के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रही है। एक नई खबर यह भी है कि इस फिल्म को इसी महीने ऐतिहासिक शहर हम्पी में लॉन्च किया जाएगा। ऋषभ शेट्टी इस सीक्वल में भगवान हनुमान का रोल निभा रहे हैं। हालांकि, राणा दग्गुबाती का किरदार क्या होगा, इसको लेकर कोई जानकारी नहीं आई है।

मार्च-अप्रैल में शुरू होगी शूटिंग

2024 में तेजा सज्जा की 'हनु-मान' बनी थी ब्लॉकबस्टर

बीते साल 2025 में, मेकर्स ने 'जय हनुमान' का पोस्टर रिलीज किया था। यह डायरेक्टर प्रशांत वर्मा के 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' का अगला चैप्टर है। साल 2024 में तेजा सज्जा स्टारर उनकी फिल्म 'हनु-मान' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करते हुए वर्ल्डवाइड 295.29 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की थी।

'जय हनुमान' में ऋषभ शेट्टी की कास्टिंग ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

बीते साल अक्टूबर की शुरुआत में, 'जय हनुमान' के मेकर्स ने ऋषभ शेट्टी का फर्स्ट-लुक पोस्टर रिलीज किया था। इससे पहले फिल्म की कास्टिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसे में जब पोस्टर आया और उसमें ऋषभ शेट्टी टाइटल रोल में दिखे तो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच तहलका मच गया। फर्स्ट-लुक पोस्टर में वह एक खाली पड़े मंदिर में भगवान राम की मूर्ति के सामने घुटने टेकते हुए दिख रहे हैं।

'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर फिल्म बनाएंगे प्रशांत वर्मा

डायरेक्टर प्रशांत वर्मा अपने 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' में पौराणिक कथाओं को सुपरहीरो अंदाज में पेश कर रहे हैं। वह 'हनु-मान' और 'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर भी एक फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण के बेटे मोक्षग्न लीड रोल में होंगे।

श्री अमर ज्योत एजुकेशन सोसायटी के संस्थापक स्व. नगीनदास भगवानदास शाह की पुण्यतिथि पर हुआ रक्तदान शिविर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 फरवरी। श्री अमर ज्योत एजुकेशन सोसायटी के संस्थापक स्व. नगीनदास भगवानदास शाह की 20वीं पुण्यतिथि पर श्रीनाथजी बीबीए, बीसीए, बीकॉम कॉलेज में रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया था। जिसमें कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर रक्तदान किया। इस दौरान 33 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दमण स्वास्थ्य विभाग के डॉ. हेमिन अग्रवाल एवं उनकी टीम ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए संचालक मंडल की ओर से कॉलेज के प्रिंसिपल, स्टाफ एवं विद्यार्थियों तथा दमण स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया गया।

दीव जिला प्रशासन ने ओबीएम और कैनो नौकाओं की पार्किंग को लेकर जारी किये निर्देश : पार्किंग एवं नो पार्किंग जोन तय किये गये

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 24 फरवरी। दीव जिला प्रशासन ने ओबीएम और कैनो नौकाओं की पार्किंग को लेकर आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश में ओबीएम और कैनो नौकाओं की पार्किंग के लिए पार्किंग और नो पार्किंग जोन भी निर्धारित किया गया है। फील्ड विजिट के दौरान यह देखा गया है कि गैर-तटीय इलाकों में आउट बोर्ड मोटर और कैनो बोट की बिना इजाजत और अनियमित पार्किंग से घोघला के मीठाबावा अधिकार क्षेत्र में नेविगेशन में रुकावट, लोगों को परेशानी, पर्यावरण को खतरा और कानून-व्यवस्था की समस्याएँ हो रही हैं। सार्वजनिक सुरक्षा, सुचारू समुद्री आवागमन और सार्वजनिक व्यवस्था के रखरखाव के हित में ओबीएम और कैनो नौकाओं की पार्किंग को विनियमित और प्रतिबंधित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करना आवश्यक है। इसलिए दीव एसडीएम एवं डिप्टी कलेक्टर शिवम मिश्रा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए आदेश जारी किया है। निर्दिष्ट क्षेत्रः ओबीएम और कैनो बोट को सिर्फ़ उसी एरिया में पार्क किया जाएगा जो खास तौर पर तय और नोटिफ़ाई किया गया है, जैसा कि घोघला जेटी एरिया में और टी-जेटी से घोघला आउटपोस्ट के सामने वाले एरिया में ओबीएम और कैनो बोट पार्किंग के लिए स्थान निर्धारित किया गया है। उपर बताई गई जगह के बाहर ओबीएम और कैनो बोट को पार्क करना, लंगर डालना या खड़ा करना पूरी तरह मना है। सभी ओबीएम और कैनो बोट मालिक, ऑपरेटर, मछुआरे और संबंधित लोग तुरंत इस आदेश का सख्ती से पालन करेंगे। डेजिग्नेटेड जोन के बाहर इमरजेंसी लैंडिंग (मुसीबत, मेडिकल इवैक्युएशन, खतरा होने वाला है) की इजाज़त है, लेकिन इसकी जानकारी तुरंत हार्बर-मास्टर/ पोर्ट ऑफिस और सबसे पास के पुलिस स्टेशन को देनी होगी, जैसे ही जहाज सुरक्षित होगा, उसे डेजिग्नेटेड जोन में ले जाया जाएगा। इस ऑर्डर को तोड़ने वाला कोई भी व्यक्ति इंडियन पोर्ट्स एक्ट, 1908, बीएनएस, 2023 के सेक्शन 223 और लागू दूसरे संबंधित कानूनों के तहत सज़ा के लिए जिम्मेदार होगा। ऐसी नावें मालिक के जोखिम और खर्च पर सक्षम अधिकारी द्वारा हटाया या जप्त किया जा सकता है। पोर्ट ऑफिसर और मरीन पुलिस इस ऑर्डर को सख्ती से लागू करेंगे। यह ऑर्डर तुरंत लागू होगा और इस ऑर्डर की तारीख से 60 दिन तक लागू रहेगा। यह आदेश धारा 163(2) बीएनएसएस के तहत एकपक्षीय रूप से जारी किया गया है क्योंकि तत्काल निवारक उपाय आवश्यक हैं।

दमण पुलिस ने चोरी में शामिल 3 अंतर्राज्यीय आरोपियों को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 फरवरी। दमण पुलिस ने चोरी में शामिल 3 अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दमण पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि 07-02-2026 को नानी दमण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई कि कुछ अज्ञात व्यक्ति सागर वाइन शॉप तीन बत्ती नानी दमण में उनके काम की जगह पर जबरदस्ती घुस आए हैं। आरोपियों ने लगभग 35,000 रूपये नकद और 02 शराब की बोतलें चोरी कर ली हैं। इस संबंध में एफआईआर नंबर 03/2026, अंडर सेक्शन 305(ए), 331(4) बीएनसी, 2023 के तहत नानी दमण पुलिस थाने में दर्ज की गई थी। मामले को बहुत गंभीरता से लेते हुए दमण एसडीपीओ और एसपी के मार्गदर्शन में दमण पुलिस की कड़ी निगरानी में एक डेडिकेटेड इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई। एक सिस्टमैटिक और टेक्नोलॉजी से चलने वाली जांच की गई। आस-पास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज को अच्छी तरह से एनालाइज़ किया गया और आरोपी की पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए ह्यूमन इंटेलिजेंस इनपुट के साथ टेक्निकल सर्विलांस का इस्तेमाल किया गया। भरोसेमंद इंसानी और टेक्निकल जानकारी के आधार पर, तीनों आरोपियों को नासिक, महाराष्ट्र में ढूंढ लिया गया। नासिक पुलिस की मदद और तालमेल से आरोपियों को पकड़ लिया गया। किसी दूसरे जुर्म के लिए टोह लेते हुए पकड़ा गया। उनकी समय पर गिरफ्तारी से न सिर्फ़ दमण में चोरी का मामला सुलझ गया बल्कि नासिक में होने वाले एक और क्राइम को भी सफलतापूर्वक रोका गया, जिससे आगे होने वाले नुकसान को टाला गया और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। मामले में आगे की जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में राशिद मुशीद (46 वर्ष), निवासी निषादी गेट उस्मानी कॉलोनी, मूल निवासी- किठौर संझामल जिला मेरठ तहसील मुहाना उत्तर प्रदेश, इरशाद हसमत (40 वर्ष), निवासी - हापुड करीमपुरा, यूपी एवं वाहिद बशीर (32 वर्ष), निवासी - मुज्जफरनगर, यूपी शामिल हैं। ये सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके खिलाफ पूरे भारत के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में ये केस दर्ज हैं। आरोपी राशिद मुशीद के खिलाफ 14 मामले दर्ज हैं। आरोपी इरशाद हसमत के खिलाफ एफआईआर नंबर 236/17 किठौर, यूपी दर्ज हैं। यह सफल ऑपरेशन दमण पुलिस के प्रोफेशनलिज्म, तेज़ एक्शन और मज़बूत इंटर-स्टेट को-ऑर्डिनेशन को दर्शाता है। एक्टिव इंटेलिजेंस इकट्ठा करने और टेक्नोलॉजी पर आधारित जांच के जरिए, दमण पुलिस ने न सिर्फ क्राइम का पता लगाया, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश के बाहर आगे होने वाली क्रिमिनल एक्टिविटी को भी रोका। दमण पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने, संगठित और अंतर-राज्यीय आपराधिक गतिविधियों से निपटने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने वादे पर अडिग है।

कचीगाम पुलिस ने सोमनाथ औद्योगिक विस्तार में बड़ी चोरी की कोशिश को किया नाकाम: 7 आरोपी गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 फरवरी। अपराध को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दिखाते हुए कचीगाम पुलिस स्टेशन ने सोमनाथ औद्योगिक विस्तार की एक इंडस्ट्रियल यूनिट में चोरी की बड़ी कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया और इसमें शामिल 7 आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि 19-20/02/2026 की रात के दौरान कचीगाम पुलिस स्टेशन के स्टाफ इंडस्ट्रियल एरिया में रोकथाम के कड़े उपायों के तहत रेगुलर नाइट पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे। लगभग 02:00 बजे पुख्ता जानकारी मिली कि कुछ लोग सोमनाथ अग्रवाल इंडस्ट्रीज में मौजूद एम्प्लास पॉलीमर प्राइवेट लिमिटेड की जगह में गैर-कानूनी तरीके से घुस गए हैं। क्योंकि फैक्ट्री काफी समय से बंद थी, इसलिए पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और अंधेरे में एक सिस्टमैटिक सर्च ऑपरेशन चलाया। कंपनी की जगह की तलाशी के दौरान 7 लोग स्पैनर, चाकू और दूसरे औजारों का इस्तेमाल करके कीमती मशीनरी पार्ट्स चोरी करने की कोशिश करते हुए पाए गए। चार आरोपियों को मौके पर ही पकड लिया गया, जबकि तीन भागने में कामयाब रहे। पूछताछ करने पर पकडे गए आरोपियों ने अपनी पहचान दानिस मोहम्मद याकूब (21 वर्ष), निवासी सोमनाथ, नानी दमण (मूल निवासीः जौनपुर, यूपी), सुभाष कमलेश निसाद (19 वर्ष), निवासी नैनो 1 बिल्डिंग कचीगाम-नानी दमण (मूल निवासीः मिर्ज़ापुर, यूपी), प्रिंस हरकेश गिरी (18 वर्ष), निवासी धोडियावाड-कचीगाम (मूल निवासीः कुशीनगर, यूपी), बरकू निबार लोहार (25 वर्ष), निवासी सोमनाथ-नानी दमण (मूल निवासीः सिद्धार्थनगर, यूपी) के रुप में बताई। उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर उस फैक्ट्री में चोरी करने की साजिश रची थी। इसके अनुसार भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 331(4), 305, 3(5) और 62 के तहत कचीगाम पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 13/26 दर्ज की गई और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। वारदात में इस्तेमाल की गई एक होंडा एक्टिवा नंबर जीजे-15-ईएन-7698 को मौके से जप्त कर लिया गया। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए लगातार तलाशी अभियान चलाया गया। 23/02/2026 को बाकी तीन आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया। जिसमें अब्दुल सलीम मनिहार (28 वर्ष), जिला कपिलवस्तु-नेपाल, मोहम्मद ताशिम नशीम अहमद (35 वर्ष), निवासी दुनेठा नानी दमण (मूल निवासीः बस्ती, यूपी) एवं राजकुमार फोटोलाल मोरिया (23 वर्ष) निवासी कुंता-वापी (मूल निवासी कपिलवस्तु नेपाल) शामिल हैं। जांच से पता चला कि चोरी का मास्टरमाइंड आरोपी राजकुमार फोटोलाल मोरिया था, जो एक स्क्रैप डीलर है। उसने अपने साथियों को बुलाया था - जो उसके जान-पहचान वाले थे और अपने गांव से थे, ताकि प्लान को अंजाम दे सकें। उसे पहले कचीगाम पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 45/2025 में सेक्शन 306 और 3(5) बीएनएस 2023 के तहत गिरफ्तार किया गया था। दमण पुलिस ने क्रिमिनल एक्टिविटीज़ के खिलाफ अपनी जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी दोहराई है और भरोसा दिलाया है कि जिले में शांति और सुरक्षा में खलल डालने वाले गैर-कानूनी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। नागरिकों और इंडस्ट्रीज़ के लिए एक सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रिवेंटिव पेट्रोलिंग, इंटेलिजेंस पर आधारित दखल और तेज ऑपरेशनल रिस्पॉन्स मुख्य प्राथमिकताएं रहेंगी।

भारत निर्वाचन आयोग(ईसीआई) और राज्य निर्वाचन आयुक्तों का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन 2026 नई दिल्ली में हुआ संपन्न

■ राज्य निर्वाचन आयुक्तों ने कानूनी ढांचे के अनुरूप मतदाता सूचियों की तैयारी और चुनाव संचालन में सहयोग को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया

पीआईबी, नई दिल्ली 25 फरवरी। भारत निर्वाचन आयोग ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ईसीआई और राज्य निर्वाचन आयुक्तों का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया। गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने की। इस अवसर पर निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित थे। अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग(ईसीआई) और राज्य निर्वाचन आयुक्तों के बीच, उनके संवैधानिक अधिकारों के तहत संस्थागत समन्वय को मजबूत करने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने मतदाता सूचियों के प्रबंधन में समन्वित दृष्टिकोण अपनाने, प्रौद्योगिकी के उपयोग तथा सर्वोत्तम प्रथाओं के साझा करने की आवश्यकता को रेखांकित किया, ताकि देश में चुनावी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और दक्षता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। अपने संबोधन में निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने राज्य निर्वाचन आयुक्तों से एक-दूसरे से सीखने और परस्पर सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि विश्वास प्रत्येक चुनावी प्रक्रिया की आधारशिला है, और इसलिए भारत निर्वाचन आयोग तथा SECs का आपसी समन्वय के साथ कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल प्रौद्योगिकियों में सहयोग के महत्व पर बोलते हुए निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोगों के कार्यों के बीच सेतु बनाने के लिए ECINET डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। इन विचार-विमर्शों ने रचनात्मक विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया और चुनावी प्रबंधन में सहकारी संघवाद की भावना को और मजबूत किया। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय घोषणा-पत्र को अपनाया और यह संकल्प लिया कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूचियों की तैयारी लोकतंत्र की आधारशिला है। घोषणा-पत्र में यह भी कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग, राज्य निर्वाचन आयोगों के साथ मिलकर पंचायतों और नगर निकायों से संबंधित कानूनों को संसद तथा राज्य विधानसभाओं के चुनावों से जुड़े कानूनों के साथ समन्वित करने की दिशा में कार्य करेगा तथा राष्ट्रीय और संवैधानिक हितों को आगे बढ़ाने हेतु प्रयास करेगा। (संयुक्त घोषणा-पत्र का पूरा भाग संलग्न है) सम्मेलन के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की नई प्रकाशन कृति 'लोकतंत्रों का संगम'(A Confluence of Democracies) का विमोचन किया गया। यह प्रकाशन हाल ही में आयोजित 'लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) 2026' का एक व्यापक दस्तावेज़ है, जिसमें 70 से अधिक देशों के लगभग 100 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों की भागीदारी, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विशेषज्ञों की उपस्थिति, 36 विषयगत सत्रों और द्विपक्षीय बैठकों में हुए विचार-विमर्श, तथा दिल्ली घोषणा-2026 को औपचारिक रूप से अपनाए जाने का विस्तृत विवरण संकलित किया गया है। 27 वर्षों के अंतराल के बाद सफलतापूर्वक आयोजित यह राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन तकनीकी समाधानों, जैसे ईवीएम, ECINET, के साझा उपयोग तथा मतदाता सूचियों के आदान-प्रदान के माध्यम से आपसी समन्वय को बढ़ावा देने का मार्ग प्रशस्त करता है।

आईएएस अधिकारी अजय कुमार का दिल्ली से संघ प्रदेश थ्रीडी में हुआ स्थानांतरण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 फरवरी। भारत सरकार के अपर सचिव द्वारा एजीएमयूटी कैडर के 7 आईएएस अधिकारियों की तबादले और पोस्टिंग बावत आदेश जारी किये गये है। जिसमें आईएएस अधिकारी अजय कुमार का दिल्ली से संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव में तबादला किया गया है।

दानह पुलिस ने बढ़ते साइबर फ्रॉड से निपटने के लिए शुरू की साइबर रक्षक पहल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 25 फरवरी। साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन फाइनेंशियल क्राइम की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए दादरा नगर हवेली जिला पुलिस ने पूरे जिले में साइबर अवेयरनेस को मज़बूत करने के लिए एक प्रोएक्टिव पहल शुरू की है। बढ़ते साइबर अपराध के मामलों से निपटने और लोगों को सुरक्षित ऑनलाइन तरीकों के बारे में बताने के लिए, दानह जिला पुलिस का मकसद अलग-अलग स्कूलों और कॉलेजों के 500 स्टूडेंट्स को साइबर रक्षक के तौर पर ट्रेन करना है। ये ट्रेंड स्टूडेंट्स वॉलंटियर के तौर पर काम करेंगे और साइबर अवेयरनेस फैलाने और पूरे जिले में लोगों को साइबर क्राइम से बचाव और रिपोर्टिंग के बारे में बताने में दानह पुलिस की मदद करेंगे। इस पहल के तहत जिला पुलिस ने पहले फेज में 50 स्टूडेंट्स को सफलतापूर्वक ट्रेनिंग दी है। इस पहल का मकसद युवाओं की एक्टिव भागीदारी से एक सतर्क और डिजिटली सुरक्षित कम्युनिटी बनाना है। दानह जिला पुलिस हर नागरिक को सलाह देती है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते समय अलर्ट और सावधान रहें। अनजान लिंक पर क्लिक करने या संदिग्ध फ़ाइलें/अटैचमेंट डाउनलोड करने से बचें। कभी भी किसी के साथ ओटीपी, पासवर्ड, सीवीवी नंबर या बैंक डिटेल्स शेयर न करें। डिजिटल अरेस्ट स्कैम से सावधान रहें, कानून लागू करने वाली एजेंसियां वीडियो कॉल के ज़रिए पैसे की मांग नहीं करतीं या जांच नहीं करतीं। साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करके या www.cybercrime.gov.in पर जाकर रिपोर्ट करें। दादरा नगर हवेली जिला पुलिस साइबर खतरों से नागरिकों की सुरक्षा करने और मिलकर कोशिशों से लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)